हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RNI NO - CTHIN/25/A0716

मूक पत्रिका

निष्पक्ष, निर्भीक, स्वतंत्र आवाज...

वर्ष - 02 | अंक - 05 | बेमेतरा, शुक्रवार 22 अगस्त 2025 | रायपुर एवं बेमेतरा से प्रकाशित | कुल पेज - 08 | मूल्य - 5 रूपये

संक्षिप्त समाचार

अहमदाबाद के स्कूल में 8वीं के छात्र ने 10वीं के छात्र की चाकू मारकर जान ली

अहमदाबाद। गुजरात के अहमदाबाद में एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है। यहां एक 8वीं के छात्र पर 10वीं के छात्र की चाकू मारकर हत्या करने का आरोप लगा है। घटना खोखरा स्थित सेवेंथ डे एडवेंटिस्ट स्कूल में मंगलवार को उस समय घटी, जब स्कूल की छुट्टी हुई थी। छात्र ने 15 वर्षीय छात्र पर स्कूल गेट के बाहर हमला किया था। बुधवार को छात्र की इलाज के दौरान मौत होने पर स्थानीय लोगों ने स्कूल में तोड़फोड़ की है। रिपोर्ट के मुताबिक, दोनों छात्रों के बीच कक्षा में किसी बात को लेकर झगड़ा हुआ था। इसके बाद कक्षा आठ के छात्र ने स्कूल के बाहर 7-8 छात्रों का समूह बुलाकर 10वीं के छात्र को घेर लिया। तभी उनमें से एक ने छात्र के पेट में चाकू घोंप दिया। छात्र घायल अवस्था में स्कूल के अंदर गया, जहां सुरक्षाकर्मी ने प्रधानाचार्य को बताया और उसे तुरंत अस्पताल पहुंचाया गया। छात्र ने बुधवार को दम तोड़ दिया।

दिल्ली में दृश्यम स्टाइल में पत्नी की हत्या, शव ऐसी जगह छिपाया कि भनक न लगे

नईदिल्ली। दिल्ली में एक महिला की हत्या और उसके शव को ठिकाने लगाने का ऐसा मामला सामने आया कि लोकप्रिय फिल्म दृश्यम की याद ताजा हो गई। यहां एक व्यक्ति ने अपनी 30 वर्षीय पत्नी की हत्या कर उसके शव को कब्रिस्तान में दफना दिया, जिससे लोगों को भनक नहीं लगी कि उसकी हत्या हुई है। आरोपी व्यक्ति उत्तर प्रदेश का अमरोहा निवासी पेंटर शबाब अली (47) और मृतक पत्नी फातिमा है। आरोपी ने शक के कारण पत्नी की हत्या की। महरौली थाने में फातिमा (30) की दोस्त ने 10 अगस्त को गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई और शक जताया था कि उसके बंधक बनाया गया है। पुलिस ने जांच शुरू की तो इलाके में लगे सीसीटीवी फुटेज में फातिमा 31 जुलाई को अपने पति शबाब और उसके दोस्तों के साथ दिखी। वह कार में थी और उसे होश नहीं था। इसके बाद पुलिस ने उसके पति से पूछताछ करना शुरू किया। पहले उसने गुमराह किया, लेकिन बाद में सच्चाई बताई।

जयपुर में घर से खेलने निकले 2 भाईयों के शव कार के अंदर मिले, हत्या की आशंका

जयपुर। राजस्थान के जयपुर में एक बंद कार के अंदर 2 बच्चों के शव मिलने से हड़कंप मच गया। दोनों सगे भाई थे और घर से खेलने निकले थे। घटना गलता गेट थानाक्षेत्र के नागतलाई इलाके में देर रात घटी है। मृतक बच्चों की पहचान 5 वर्षीय अनस और 7 वर्षीय अहसान के रूप में हुई है। पुलिस ने बताया कि जिस एसयूवी कार में बच्चों के शव मिले हैं, वह उनके घर से करीब 20 मीटर दूर खड़ी थी। पुलिस अधिकारी ने बताया कि शाम को दोनों बच्चे घर से बाहर खेलने निकले थे, लेकिन वापस नहीं लौटे। रात अधिक होने पर खोजबीन शुरू की गई।

अनिश्चितकाल के लिए स्थगित हुई कार्यवाही

विपक्ष के हंगामे पर लोकसभा स्पीकर बिरला ने लगाई लताड़

नई दिल्ली/ एजेंसी

लोकसभा की कार्यवाही 12 बजे जैसे ही दोबारा शुरू हुई तो विपक्षी सांसदों ने फिर से हंगामा शुरू कर दिया। जिस पर लोकसभा स्पीकर ने सांसदों को लताड़ लगाई और कहा कि सदन में विपक्ष का आचरण लोकतंत्र के मूल्यों के अनुरूप नहीं रहा। ये संसद की गरिमा के अनुसार नहीं है। उन्होंने कहा कि देश की जनता देख रही है कि किस तरह से अहम मुद्दों पर चर्चा को बाधित किया जा रहा है। लोकसभा स्पीकर ने कहा कि मानसून सत्र के दौरान सिर्फ37 घंटे ही चर्चा हो सकी। जिसमें लोकसभा में 12 विधेयक पारित हुए और 55 सवालों के ही मौखिक जवाब दिए गए। इसके बाद लोकसभा की कार्यवाही अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दी गई। इस दौरान पीएम मोदी भी सदन में मौजूद रहे।विपक्ष द्वारा गंभीर आपराधिक आरोपों में फंसे प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्रियों और मंत्रियों को हटाने संबंधी विधेयक को फाड़े जाने पर भाजपा सांसद शशांक मणि ने कहा, 'यह बहुत गलत आचरण है। मैं समझता हूं कि इस प्रकार का आचरण विश्व की सबसे बड़ी पंचायत में शोभा नहीं देता। आज की तारीख में पूरी विश्व की नजर हमारी पंचायत पर हैज्जनता देख रही है और इनको अगले चुनाव में सबक सिखाएगी।'बिलों को लेकर लोकसभा में हुए हंगामे पर केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने कहा, 'ये अत्यंत निंदनीय है लोकतंत्र में विपक्ष की अहम भूमिका होती है और उसका भूमिका का सकारात्मक होना जरूरी हैज़.लेकिन इस तरीके से हंगामा करना और ऐसा आचरण का प्रदर्शन करना जो स्वीकार नहीं है आप लोकतंत्र में गलत परंपरा की शुरुआत कर रहे हैं। देश के गृह मंत्री हैं वो, अगर आपको उनकी किसी बातों से दिक्कत है तो आप सदन के पटल का इस्तेमाल कीजिए, देश को भी सुनने दीजिए आपके बातों को। लेकिन आप सदन चलने नहीं दे रहे हैं हंगामें कर रहे हैं और किस तरीके से बिल को फाड़कर आप मुंह पर फेंक रहे हैं ये तो कांग्रेस और विपक्ष की परंपरा रही हैज़.ये इनकी कार्यशैली को दर्शाता है इसकी जितनी निंदा की जाए वो कम है। उन्होंने बताया कि इस सत्र में 419 सवाल किए गए, जिसमें से सिर्फ 55 के मौखिक उत्तर दिए जा सके। पूरे सत्र के दौरान चर्चा का समय 120 घंटे निर्धारित किया गया था, लेकिन 37 घंटे ही चर्चा हो सकी। लोकसभा में 12 विधेयक पारित हुए। इससे पहले गुरुवार को सुबह 11 बजे शुरू हुई लोकसभा की कार्यवाही तुरंत ही स्थगित कर दी गई। इसके बाद सदन की कार्यवाही दोपहर 12 बजे फिर शुरू हुई, जिसमें ओम बिरला ने इस बात पर खेद व्यक्त किया कि पूरे सत्र के दौरान बार-बार कार्यवाही बाधित करने के प्रयास किए गए। उन्होंने कहा कि यह सभी के लिए आत्मचिंतन का समय है, क्योंकि महीने भर चले सत्र के दौरान ज्यादा चर्चा नहीं हो सकी।

ओम बिरला ने क्या कहा- देश की जनता सब देख रही है

उन्होंने आगे कहा, 'सदन के अंदर और संसद परिसर में की जा रही नारेबाजी और सुनियोजित व्यवधान हमारी परंपरा नहीं है। विशेषकर इस सत्र में जिस भाषा का प्रयोग किया गया है, वह सदन की मर्यादा के अनुरूप नहीं है। हमें स्वस्थ परंपराओं का पालन करना चाहिए। सदन के अंदर गरिमापूर्ण चर्चा के प्रयास होने चाहिए। मैं लगातार सुनियोजित विरोध और नारेबाजी देख रहा हूं। मैं आपसे अनुरोध करना चाहता हूं कि हमें इससे बचने का प्रयास करना चाहिए। संसद के अंदर और बाहर हमारी भाषा अनुशासित और गरिमामय होनी चाहिए।' सदन में गरिमा बनाए रखने का आह्वान दोहराते हुए बिरला ने कहा, 'सहमति और असहमति लोकतंत्र की एक स्वाभाविक प्रक्रिया है, लेकिन हमारा सामूहिक प्रयास यह होना चाहिए कि हम संसद की गरिमा, शांति और मर्यादा बनाए रखें।

120 घंटे की योजना,केवल 37 घंटे हुए काम-बिरला

मानसून सत्र की शुरुआत 21 जुलाई को हुई थी। इस पहले सभी दलों ने तय किया था कि कुल 120 घंटे चर्चा और कामकाज के लिए दिए जाएंगे। वहीं व्यापार सलाहकार समिति ने भी इस पर सहमति जताई थी। लेकिन, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने बताया कि लगातार गतिरोध और योजनाबद्ध हंगामों के कारण, सिर्फ 37 घंटे 7 मिनट ही प्रभावी कामकाज हो पाया। इसके बावजूद, सरकार ने इस छोटे समय में 14 विधेयक पेश किए और 12 महत्वपूर्ण कानून पास कराए। इनमें ऑनलाइन गेमिंग को बढ़ावा और नियमन विधेयक, 2025 और खनिज और खनन (विकास और विनियमन) संशोधन विधेयक, 2025 के साथ-साथ राष्ट्रीय खेल शासन विधेयक, 2025 प्रमुख हैं। वहीं संसदीय कार्य मंत्री किरण रिजिजू ने कहा कि यह सत्र सरकार और देश के लिए सफल और फलदायी रहा।

एक्ट्रेस से 'गंदी बात' पर फंसे राहुल ममकूटथिल

देना पड़ा केरल युवा कांग्रेस के अध्यक्ष पद से इस्तीफा...

नई दिल्ली। एजेंसी

कांग्रेस विधान सभा सदस्य (एमएलए) राहुल ममकूटथिल पर लेखिका हनी भास्करन और मॉडल रिनी एन जॉर्ज द्वारा लगाए गए अश्लील आचरण के आरोप हैं। नतीजतन, उन्होंने युवा कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे दिया है। इससे पहले आज, केरल के नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस नेता वी.डी. सतीसन ने कांग्रेस विधायक और युवा कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष राहुल ममकूटथिल पर लेखिका हनी भास्करन और अभिनेत्री रिनी एन जॉर्ज द्वारा अनुचित संदेश भेजने और अश्लील आचरण में लिप्त होने के आरोपों पर बात की। सतीशन ने कांग्रेस पार्टी द्वारा गहन जाँच का आश्वासन दिया और ज़ोर देकर कहा कि अगर आरोप गंभीर पाए गए तो कोई ढिलाई नहीं बरती जाएगी। उन्होंने कहा पार्टी आरोपों की जाँच करेगी। हम आरोपों की गंभीरता की जाँच करेंगे। अगर यह बहुत गंभीर है, तो हम आवश्यक कार्रवाई करेंगे। एक प्रक्रिया है; उन्हें अपना पक्ष रखने का अवसर मिलेगा। उसके बाद ही हम कोई निर्णय लेंगे। हम तुरंत निर्णय लेंगे, कोई देरी नहीं होगी। पार्टी के समक्ष कोई शिकायत नहीं है। अगर कोई कोई आरोप लगा रहा है, तो हम उसकी जाँच करेंगे। हम इसे बहुत गंभीरता से लेंगे, उचित कार्रवाई करेंगे, कोई दया नहीं होगी। इस बीच, महिला कांग्रेस नेता बिंदु कृष्णा ने कहा, महिला कांग्रेस ने पार्टी को अपना रुख बता दिया है। पार्टी को जवाब देना है और पार्टी उचित निर्णय लेगी। मुझे राहुल ममकूटाथिल के खिलाफ पहले कोई शिकायत नहीं मिली है।

पार्टी में गुटबाजी की तो खैर नहीं अभिषेक बनर्जी

कोलकाता। तृणमूल कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव और लोकसभा सांसद अभिषेक बनर्जी ने आज संगठन मज़बूत करने के लिए बारासात संगठनात्मक ज़िले के नेताओं के साथ अहम बैठक की। 2026 पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव से पहले हुई इस बैठक में उन्होंने गुटबाज़ी को लेकर कड़ा संदेश दिया और स्पष्ट कहा कि पार्टी में किसी भी तरह की आपसी लड़ाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी। बैठक को लेकर पार्टी सूत्रों ने बताया कि बारासात ज़िले में कई बार गुटीय संघर्ष की शिकायतें सामने आई थीं, जिसके मद्देनज़र अभिषेक बनर्जी ने यह चेतावनी दी।

असम सरकार का बड़ा फैसला

18 साल से ऊपर वालों को नहीं मिलेगा नया आधार कार्ड

नई दिल्ली। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने गुरुवार को कहा कि अवैध प्रवासियों को भारतीय नागरिकता मिलने से रोकने के लिए 18 वर्ष से अधिक आयु के लोगों को असम में पहली बार आधार कार्ड नहीं मिलेगा। राज्य मंत्रिमंडल की बैठक के बाद, मुख्यमंत्री ने कहा कि असम में 18 वर्ष से अधिक आयु के चाय जनजाति, अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के लोगों को केवल एक वर्ष तक ही आधार कार्ड मिलता रहेगा। असम के मुख्यमंत्री ने कहा कि 18 वर्ष से अधिक आयु के लोगों को, यदि अभी तक आधार कार्ड नहीं मिला है, तो आवेदन करने के लिए केवल एक महीने का समय दिया जाएगा। हालांकि, उन्होंने कहा कि 18 वर्ष से अधिक आयु के चाय जनजाति, अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के लोगों को अगले एक वर्ष तक आधार कार्ड मिलते रहेंगे।

बिहार चुनाव की तैयारी में हैं

भरे मंच पर नीतीश ने मुस्लिम टोपी पहनने से किया इनकार

पटना/ एजेंसी

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के एक कार्यक्रम में हंगामा बरपा है। नीतीश ने टोपी पहनने से मना कर दिया। नीतीश कुमार के कई मंत्री स्टेज छोड़कर भाग गए। इस मौके पर मदरसा शिक्षकों ने जमकर हंगामा बरपाया। दरअसल, बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार गुरुवार को राज्य मदरसा बोर्ड के एक कार्यक्रम में शामिल हुए थे। इस दौरान उन्हें दी गई टोपी पहनने से इनकार करते देखे गए, जिसके बाद विपक्ष ने उनकी धर्मनिरपेक्ष साख पर सवाल उठाए। इस घटना ने बिहार चुनाव से पहले राजनीतिक विवाद को जन्म दे दिया है क्योंकि नीतीश इससे पहले भी इफ्तार पार्टियों और इस्लामी आयोजनों में टोपी पहने देखे गए हैं। यह घटना उस समय घटी जब नीतीश पटना में राज्य मदरसा शिक्षा बोर्ड के शताब्दी समारोह में शामिल हुए थे। वायरल हो रहे वीडियो में, बोर्ड का एक सदस्य शुरुआत में नीतीश के सिर पर मुस्लिम टोपी पहनाने की कोशिश करता हुआ दिखाई देता है। हालाँकि, मुख्यमंत्री मना कर देते हैं और उसे अपने हाथ में ले लेते हैं। मंच पर एक तस्वीर खिंचवाने के बाद, बिहार के अल्पसंख्यक मंत्री ज़मा खान फिर से नीतीश को टोपी पहनाने के लिए मनाते हुए दिखाई देते हैं। हालाँकि, नीतीश मना कर देते हैं और टोपी खान के सिर पर रख देते हैं। यह घटनाक्रम इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि यह बिहार विधानसभा चुनाव से कुछ ही महीने पहले हुआ है।

दिल्ली के 50 से अधिक स्कूलों को फिर मिली बम से उड़ाने की धमकी, दहशत फैली

नईदिल्ली। दिल्ली के 32 स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी मिलने के 48 घंटे बाद फिर से 50 से अधिक स्कूलों को ईमेल के जरिए धमकी मिली है। दिल्ली पुलिस के अधिकारियों ने बताया कि मालवीय नगर स्थित एसकेवी हौज रानी और करोल बाग स्थित आंध्रा स्कूल समेत 50 स्कूलों को बुधवार सुबह अज्ञात ईमेल मिले हैं। सूचना के बाद बम निरोधक दस्ता और डॉग स्क्वॉयड की टीम मौके पर पहुंच गई। परिसर खाली करा लिया गया है। धमकी की सूचना के बाद पुलिस ने स्कूल परिसर को खाली करा दिया, जबकि कुछ बच्चों को वापस घर भेज दिया गया।

आरोपी राजेश को पांच दिन की पुलिस रिमांड

दिल्ली की सीएम रेखा गुप्ता को मिली जेड श्रेणी की सुरक्षा....

नई दिल्ली/ एजेंसी

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता को जेड श्रेणी की सुरक्षा दे दी गई है। सूत्रों के अनुसार, केंद्र सरकार ने दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता को जेड श्रेणी की सीआरपीएफ सुरक्षा प्रदान कर दी है। इससे पहले, दिल्ली में बुधवार को साप्ताहिक जनसुनवाई के दौरान दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता पर हमला करने के आरोप में गिरफ्तार आरोपी राजेश खिमजी को पांच दिन की पुलिस रिमांड पर भेज दिया गया है। आरोपी राजेश को दिल्ली पुलिस ने देर रात दक्षिण-पश्चिम दिल्ली के द्वारका स्थित एक मजिस्ट्रेट के घर पर पेश किया गया। सूत्रों ने बताया कि आरोपी को तीस हजारी अदालत परिसर में किसी भी मजिस्ट्रेट के सामने पेश नहीं किया गया। दिल्ली की सीएम रेखा गुप्ता के सरकारी आवास पर बुधवार सुबह साप्ताहिक जनसुनवाई के दौरान फरियादी बनकर आए एक युवक ने अचानक मुख्यमंत्री पर हमला कर दिया। आरोपी ने सीएम को कुछ पेपर दिए इसके बाद उसने चिल्लाना शुरू कर दिया। बाद में आरोपी ने सीएम का हाथ और बाल पकड़े और उनके साथ धक्का-मुक्की करने लगा। प्रत्यक्षदर्शियों ने दावा किया कि आरोपी ने सीएम को थप्पड़ भी मार दिया। हालांकि प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने थप्पड़ मारने की बात से इंकार किया है। आरोपी को मौके पर ही पकड़ लिया गया। वहां मौजूद लोगों ने उसकी पिटाई कर दी। मुख्यमंत्री की सुरक्षा में हुई चूक की खबर मिलते ही दिल्ली पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया।

उपराष्ट्रपति पद के लिए विपक्ष के उम्मीदवार रेड्डी ने किया नामांकन, खरगे-सोनिया रहे मौजूद.....

उपराष्ट्रपति चुनाव भारत के विचार की पुष्टि का विषय-सुदर्शन रेड्डी

नई दिल्ली/ एजेंसी

विपक्ष के उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार बी. सुदर्शन रेड्डी ने गुरुवार को कांग्रेस के शीर्ष नेताओं मल्लिकार्जुन खरगे, सोनिया गांधी और राहुल गांधी की उपस्थिति में अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। सुप्रीम कोर्ट के पूर्व न्यायाधीश रेड्डी ने राज्यसभा महासचिव (जो उपराष्ट्रपति चुनाव के लिए निर्वाचन अधिकारी भी हैं) के समक्ष नामांकन पत्रों के चार सेट जमा किए। राकांपा (सपा) प्रमुख शरद पवार, सपा नेता रामगोपाल यादव, द्रमुक के तिरुचि शिवा, तृणमूल कांग्रेस की शताब्दी रॉय, शिवसेना (यूबीटी) के संजय राउत, माकपा के जॉन ब्रिटास नामांकन के लिए उपस्थित विपक्षी नेताओं में शामिल थे। लगभग 160 सांसदों ने प्रस्तावक और समर्थक के रूप में हस्ताक्षर किए हैं। निर्वाचन अधिकारी ने नामांकन दस्तावेजों की जांच की और रेड्डी को एक पावती पर्ची सौंपी। उपराष्ट्रपति चुनाव के लिए निर्वाचक मंडल में लोकसभा और राज्यसभा के सदस्य शामिल होते हैं। राज्यसभा के मनोनीत सदस्य भी अपना वोट डालने के पात्र होते हैं। निर्वाचक मंडल की प्रभावी संख्या 781 है और बहुमत का आंकड़ा 391 है। सत्तारूढ़ एनडीए ने सीपी राधाकृष्णन को मैदान में उतारा है। सत्तारूढ़ दल को कम से कम 422 सदस्यों का समर्थन प्राप्त है। वाईएसआरसीपी जैसी विपक्षी गठबंधन से इतर पार्टियां पहले ही राधाकृष्णन को समर्थन देने की घोषणा कर चुकी हैं। इससे पहले बुधवार को खरगे ने घटक दलों के नेताओं से उनका परिचय करवाया। संसद के केंद्रीय कक्ष में खरगे

के साथ पहुंचे सुदर्शन का स्वागत करने के लिए कांग्रेस संसदीय दल की प्रमुख सोनिया गांधी समेत अन्य विपक्षी दलों के नेता मौजूद थे। उनके साथ हुई बैठक में गठबंधन के सभी सहयोगियों ने अपना पक्ष रखा। नामांकन से पहले खरगे ने कहा था कि बी. सुदर्शन रेड्डी उपराष्ट्रपति पद के विपक्ष के संयुक्त उम्मीदवार हैं। उपराष्ट्रपति चुनाव केवल एक पद के लिए प्रतियोगिता नहीं है। यह हमारे राष्ट्र की आत्मा के लिए एक वैचारिक लड़ाई है। जहां सत्तारूढ़ दल ने आरएसएस की विचारधारा को चुना है, वहीं हम संविधान और उसके मूल्यों को अपना मार्गदर्शक मानते हैं। उन्होंने कहा कि राज्यसभा के सभापति के रूप में उपराष्ट्रपति पर संसदीय लोकतंत्र की सर्वोच्च परंपराओं की रक्षा करने की जिम्मेदारी है। यदि मैं निर्वाचित होता हूं तो मैं निष्पक्षता, गरिमा तथा संवाद एवं शिष्टाचार के प्रति दृढ़ प्रतिबद्धता के साथ अपनी भूमिका निभाने का वचन देता हूं। इस दौरान विपक्षी उम्मीदवार रेड्डी ने विपक्षी दलों के नेताओं के प्रति भी गहरा आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि हमारे संविधान में विश्वास और हमारे लोगों में आशा के साथ मैं इस यात्रा पर निकल रहा हूं। हमारी लोकतांत्रिक भावना हम सभी का मार्गदर्शन करती रहे। उपराष्ट्रपति चुनाव के लिए निर्वाचक मंडल में लोकसभा और राज्यसभा के सदस्य शामिल होते हैं।

अगर निर्वाचित हुए तो निष्पक्षता के साथ निभाऊंगा उपराष्ट्रपति पद की भूमिका

उन्होंने कहा कि राज्यसभा के सभापति के रूप में उपराष्ट्रपति पर संसदीय लोकतंत्र की सर्वोच्च परंपराओं की रक्षा करने की जिम्मेदारी है। यदि मैं निर्वाचित होता हूं तो मैं निष्पक्षता, गरिमा तथा संवाद एवं शिष्टाचार के प्रति दृढ़ प्रतिबद्धता के साथ अपनी भूमिका निभाने का वचन देता हूं। इस दौरान विपक्षी उम्मीदवार रेड्डी ने विपक्षी दलों के नेताओं के प्रति भी गहरा आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि हमारे संविधान में विश्वास और हमारे लोगों में आशा के साथ मैं इस यात्रा पर निकल रहा हूं। हमारी लोकतांत्रिक भावना हम सभी का मार्गदर्शन करती रहे। उपराष्ट्रपति चुनाव के लिए निर्वाचक मंडल में लोकसभा और राज्यसभा के सदस्य शामिल होते हैं। राज्यसभा के मनोनीत सदस्य भी अपना वोट डालने के पात्र होते हैं।

ट्रक चोरी करने वाले आरोपियों को कोरर पुलिस द्वारा 06 घंटे के अन्दर किया गिरफ्तार

कांकेर/मूक पत्रिका

कांकेर दिनांक 20.08.2025 को प्रार्थी दुर्गेश तेता पिता देवसिंह तेता उम्र 32 वर्ष निवासी कोदागांव थाना कोरर द्वारा रिपोर्ट दर्ज कराया कि, छाटेडोंगर माईंस नारायणपुर से दिनांक 17.08.2025 को 03.00 बजे ट्रक में आयरन गिट्टी लोहा पत्थर लोड कर रायपुर छोड़ने गया था ट्रक खाली होने के बाद कल दिनांक 19.08.2025 को सुबह करीबन 08.00 बजे ग्राम कोदागांव पहुंचकर तालाब के किनारे ट्रक खड़ा कर ट्रक की चाबी को ट्रक के बाक्स में रखकर अपने हेल्फर के साथ शाम को 06.00 बजे हेल्फर ओम प्रकाश को साथ लेकर अपने घर खाना खाने गये थे बारिश लगातार होने से रात्रि घर में ही सो गये आज सुबह उठकर ट्रक के पास आया तो ट्रक नही था खोजबीन किया नही मिलने पर थाना में रिपोर्ट दर्ज कराये है। प्रार्थी की लिखित ओवदन पर धारा 303 (2) बीएनएस का अपराध घटित होना पाये जाने से अपराध धारा सदर पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

मामले की संवेदनशीलता को ध्यान में रखकर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक कांकेर इंदिरा कल्याण ऐलेसेला (भा.पु.से.) सर के द्वारा तत्परता पूर्वक एवं तत्काल कार्यवाही करने निर्देश प्राप्त होने पर तथा अति. पुलिस अधीक्षक दिनेश सिन्हा एवं अनुविभागीय अधिकारी पुलिस मोहसिन खान के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी कोरर निरीक्षक जितेन्द्र गुप्ता के नेतृत्व में थाना स्टाफ के साथ मुखबीर की सूचना मिलने पर ग्राम कोहकामेटा केशकाल रवाना होकर संदेही को हिरासत में लेकर सक्ती से पूछताछ करने पर बताये कि, वाहन ट्रक को चोरी की नियत से ले जाने पर चोरी गयी ट्रक को आरोपियों के कब्जे से जप्त कर आरोपियों को दिनांक 20.08.2025 को गिरफ्तार किया गया है। सम्पूर्ण कार्यवाही में निरीक्षक जितेन्द्र गुप्ता, प्र.आर. 656 कन्हैया पटेल, प्र.आर. 137 तिरथ गंधर्व, आर. 1411 केतन ठाकुर, आर. 1000 मनोज साहू, 735 राजकुमार यादव, 1075 भारत दुग्गा, 924 पुनाराम सोम का महत्वपूर्ण योगदान रहा।अपराध क्र. 34/2025 धारा 303 (2) बीएनएसनाम आरोपीः-01. राकेश पटेल पिता जगनूराम पटेल उम्र 29 वर्ष,02. अनिल पटेल पिता भूषण पटेल उम्र 30 वर्ष,03. दुर्गा प्रसाद पिता चन्द्र कुमार गढिया उम्र 28 वर्ष सभी निवासी ग्राम कोदागांव थाना कोरर जिला उ.ब. कांकेर

डिजिटल बाजार से जोड़ने ई-मार्केटप्लस एवं डिजिटल मार्केटिंग के संबंध में कार्यशाला आयोजित

मुंगेली /मूक पत्रिका

सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई), महिला उद्यमियों, स्व-सहायता समूहों (एसएचजी) और पारंपरिक कारीगरों को डिजिटल माध्यम से बाजार से जोड़ने के उद्देश्य से होटल पुनीत, पड़ाव चौक में कार्यशाला÷ आयोजित की गई। यह अभियान उद्योग संचालनालय और सीएसआईडीसी रायपुर की पहल से ÷एमएसएमई को ई-मार्केटप्लेस एवं डिजिटल मार्केटिंग से जोड़ने के लिए भारत सरकार की आरएएमपी योजना के अंतर्गत आयोजित हुआ। कार्यशाला में जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र मुंगेली के महाप्रबंधक किशोर प्रभात सिंह राजपूत ने बताया कि स्थानीय उत्पादों को डिजिटल मंचों से जोड़कर राष्ट्रीय और वैश्विक पहचान दिलाई जा सकती है। कार्यशाला में कार्यशाला में फ्लिपकार्ट इंटरनेट प्रा. लि. के एसोसिएट निदेशक वरुण गोपालकृष्णन ने फ्लिपकार्ट मंच पर पंजीकरण, उत्पाद सूचीकरण और प्रचार-प्रसार की जानकारी दी। वहीं सभ्याशा ई-कॉमर्स प्लेटफ़ॉर्म से अभिजीत राठ ने उद्यमियों को पंजीकरण से लेकर डिलीवरी व्यवस्था तक की प्रक्रिया समझाई। डिजिटल मार्केटिंग सत्र में मीमो प्रसाद, निदेशक, इन्टेलीग्रेटर टेक्नोलॉजीस प्रा. लि., रायपुर ने सोशल मीडिया और मोबाइल ऐप्स के माध्यम से कम लागत में उत्पादों की ब्रांडिंग व बिक्री बढ़ाने के सरल उपाय बताए। उन्होंने कहा कि गुणवत्तापूर्ण तस्वीरें, आकर्षक विवरण और ग्राहकों से नियमित संवाद स्थानीय उत्पादों को वैश्विक ब्रांड बनाने में सहायक हैं। इस अवसर पर डॉ. योगेश शर्मा, राज्य परियोजना कार्यान्वयन इकाई, आरएएमपी योजना, सीएसआईडीसी, रायपुर ने राज्य में चल रही आरएएमपी योजना की गतिविधियों जैसे उद्यमिता जागरूकता, निर्यात प्रशिक्षण, डिजिटल विपणन और वित्तीय पहुँच पर विस्तार से जानकारी दी। कार्यक्रम में उत्तम कुमार दुबे, प्रबंधक, जिला उद्योग केंद्र, लव सिंह राजपूत सहित कुल 57 प्रतिभागी उपस्थित रहे, जिनमें महिला उद्यमी, समूह सदस्य, पारंपरिक कारीगर और स्थानीय एमएसएमई प्रतिनिधि शामिल थे।

मोही डारे2 शुक्रवार से सिनेमाघरों में

रायपुर /मूक पत्रिका

अनुपम वर्मा कृत सुधाराज फिल्म्स के बैनर तले निर्मित फ़िल्म मोही डारे2 शुक्रवार 22 अगस्त को रिलीज हो रही है, फ़िल्म में करण खान व शालिनी विश्वकर्मा की जोड़ी मुख्य भूमिका में है साथ ही संजय महानंद, नितेश कॉमेडियन, अलकरहा टुरा झरनेश की तिकड़ी दर्शकों को गुदगुदाएगी। संगीतकार,गीतकार सुनील सोनी के निर्देशन में मिलन स्टूडियो कटक में मोही डारे2 के गानों की रिकार्डिंग हुई है, मोही डारे 2 के गीतों को यूट्यूब में लोगो द्वारा बहुत पसंद किया जा रहा है। अनुपम वर्मा के निर्देशन में 2013 में मोही डारे रिलीज हुई थी जिसे दर्शकों ने खूब सराहा था, एक दशक बाद अनुपम वर्मा के निर्देशन में मोही डारे2 आ रही है, जिसका इंतजार दर्शकों को लंबे समय से है। निर्देशक अनुपम वर्मा ने कहा कि मोही डारे2 यू/ए सर्टिफिकेट की परिवारिक फ़िल्म है जिसमें करन खान, शालिनी विश्वकर्मा, नितेश कॉमेडियन, संजय महानंद, अलकरहा टुरा झरनेश, क्रांति दीक्षित, धर्मेंद्र चौबे, जीत शर्मा, योगेश अग्रवाल, दिलीप वर्मा, आकांक्षा बंजारे, श्रुति पांडेय का बेहतरीन अभिनय देखने को मिलेगा। फ़िल्म के गीत सुभय सिंह चौहान, नगारची, सुनील सोनी, दास मनोहर ने लिखे है जिसे अच्छा प्रतिसाद यूट्यूब में मिल रहा है। छत्तीसगढ़ी सिनेमा दर्शकों को ये फ़िल्म निश्चित ही पसन्द आएगी। उल्लेखनीय है कि मोही डारे2 के ट्रेलर, टीजर को विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफार्म में लाखों की संख्या में देखा गया है, मोही डारे2 के गीतों पर सोशल मीडिया यूजर्स द्वारा अनगिनत रील, शार्ट वीडियो प्रतिदिन शेयर हो रहे है,वही यूट्यूब में फ़िल्म का होली गीत सर्वाधिक सुना और सराहा जा रहा है।

जिले के सहकारी समितियों में पर्याप्त मात्रा में नैनो डीएपी एवं यूरिया भंडारित

किसानों को नैनो डीएपी के लाभ और सावधानियों की दी जा रही जानकारी

मुंगेली /मूक पत्रिका

जिले के 66 सेवा सहकारी समितियों एवं निजी विक्रय केन्द्रों में नैनो डीएपी एवं नैनो यूरिया का पर्याप्त मात्रा में भण्डारित है। इन सभी सेवा सहकारी समितियों में नैनो यूरिया 6497 नग भण्डारित कर 3207 नग किसानों को वितरण किया जा चुका है। इसी तरह नैनो डीएपी 3114 नग भण्डारित कर 1085 नग कृषकों को वितरण किया जा चुका है, जो कि मिट्टी को बिना नुकसान पहुंचाये फसल को पोषण प्रदान करता है। उपसंचालक कृषि एम.आर. तिग्गा ने बताया कि जिले को खरीफ 2025 हेतु बीज वितरण

का 14 हजार 855 क्वि. का लक्ष्य प्राप्त हुआ है, जिसके विरूद्ध में 17 हजार 377 क्विंटल समितियो में भंडारित कर कृषकों को पूर्ण वितरण किया जा चुका है। इसी तरह खाद का 60 हजार 620 टन का लक्ष्य प्राप्त हुआ है, जिसके विरूद्ध 51 हजार 368 टन भंडारित कर 47 हजार 200 टन कृषकों को वितरण किया जा चुका है। उन्होंने बताया कि विभाग द्वारा किसानों को किसानों को नैनो डीएपी एवं नैनो यूरिया के प्रयोग, लाभ और सावधानियों की जानकारी दी जा रही है।

नशे के इ्यूटी,अपमानजनक व्यवहार, सहायक ग्रेड-02 पर गिरी निलंबन की गाज

बीजापुर/मूक पत्रिका

जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय बीजापुर ने गंभीर अनुशासनहीनता और कर्तव्य में लापरवाही के मामले में बड़ी कार्रवाई करते हुए सहायक ग्रेड-02 रमेश कुमार कटला को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। आदेश के अनुसार, रमेश कुमार कटला जो शासकीय बालक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय भोपालपटनम (सेजेस) में पदस्थ थे, पर आरोप है कि उन्होंने कार्यालय में नशे की हालत में अनुचित व अपमानजनक व्यवहार किया और अपने कर्तव्यों के निर्वहन में गंभीर लापरवाही बरती। इस पर जिला शिक्षा अधिकारी ने छत्तीसगढ़ सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण तथा अपील) नियम 1966 की धारा 9(1) एवं

कार्यालय,जिला शिक्षा अधिकारी
जिला बीजापुर (छ0ग0)

9(2) के तहत कार्रवाई करते हुए उन्हें निलंबित किया। निलंबन अवधि के दौरान रमेश कुमार्बकटला का मुख्यालय विकासखंड शिक्षा अधिकारी कार्यालय विकासखंड उसूर निर्धारित किया गया है। इस अवधि में उन्हें नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ता प्राप्त होगा।

योग और प्राकृतिक चिकित्सा एक रथ के दो पहिए-रूपनारायण सिन्हा

रायपुर/मूक पत्रिका

वृंदावन हाल, सिविल लाइन रायपुर में अखिल भारतीय प्राकृतिक चिकित्सा परिषद एवं छत्तीसगढ़ प्राकृतिक चिकित्सा परिषद के संयुक्त तत्वावधान में ÷रामराज्य में निसर्गोपचार की भूमिका÷ विषय पर संगोष्ठी एवं केयूर भूषण कर्मयोगी सम्मान समारोह का आयोजन हुआ।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि छत्तीसगढ़ योग आयोग के अध्यक्ष रूपनारायण सिन्हा ने अपने उद्बोधन में कहा कि योग और प्राकृतिक चिकित्सा एक रथ के दो पहिए हैं। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार रथ एक पहिए से नहीं चल सकता, उसी प्रकार योग और प्राकृतिक चिकित्सा एक-दूसरे के बिना अधूरे हैं। योग के अभ्यास के लिए प्राकृतिक नियमों का पालन अनिवार्य है।इस अवसर पर छत्तीसगढ़ सहित महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, मध्यप्रदेश और ओडिशा से आए 62 योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा क्षेत्र में कार्यरत कर्मयोगियों का सम्मान किया गया। साथ ही प्रोफेसर शंभूदयाल भारतीय को विशेष रूप से केयूर भूषण कर्मयोगी सम्मान से नवाजा गया।कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. अवधेश मिश्रा (महामंत्री, अखिल भारतीय प्राकृतिक चिकित्सा परिषद, नई दिल्ली) ने की। मंच पर डॉ. विवेक भारतीय, डॉ. प्राणेश गुरु गोस्वामी (अध्यक्ष, छत्तीसगढ़ प्राकृतिक चिकित्सा परिषद), डॉ. उदयभान सिंह चौहान (अध्यक्ष, छत्तीसगढ़ स्वाभिमान संस्थान), महाराष्ट्र से आए डॉ. धनालाल शेन्द्र तथा उपराष्ट्रपति के निजी चिकित्सक डॉ. अरुण कुमार शुक्ला सहित अनेक योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा विशेषज्ञ उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन डॉ. छगनलाल सोनवानी ने किया। उन्होंने बताया कि इस आयोजन का उद्देश्य छत्तीसगढ़ के दूरस्थ अंचलों तक योग और प्राकृतिक चिकित्सा को जन-जन तक पहुँचाना है।

अखिल भारतीय पुजारी पुरोहित संघ में महत्वपूर्ण नियुक्ति डॉ. सौरव निर्वाणी को छत्तीसगढ़ प्रदेश संयोजक बनाया गया

रायपुर/मूक पत्रिका

अखिल भारतीय पुजारी पुरोहित संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष, बलाबावा मंदिर के प्रतिष्ठित पुजारी देव कुमार बाला दास ने छत्तीसगढ़ के युवा सनातन सेवक एवं धर्मप्रचारक डॉ. सौरभ निर्वाणी को छत्तीसगढ़ प्रदेश पुजारी पुरोहित संघ का प्रदेश संयोजक नियुक्त किया है। केवल इतना ही नहीं, राष्ट्रीय अध्यक्ष ने डॉ. निर्वाणी को मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र और उड़ीसा का राज्य प्रभारी बनाते हुए तीनों राज्यों में संगठन विस्तार, प्रांताध्यक्षों की नियुक्ति तथा संघ के कार्यों के सुव्यवस्थित संचालन की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी भी सौंपी है।

नियुक्ति प्राप्त होने पर डॉ. सौरभ निर्वाणी ने राष्ट्रीय अध्यक्ष का आभार व्यक्त करते हुए कहा -÷यह मेरे लिए केवल सम्मान ही नहीं बल्कि धर्म और सनातन परंपरा की बड़ी जिम्मेदारी है। मैं संतों की आज्ञानुसार

एवं शास्त्रसम्मत रीति से संगठन के कार्यों को आगे बढ़ाऊँगा तथा पुजारी-पुरोहित समाज की एकजुटता और सम्मान की रक्षा हेतु पूरी निष्ठा से कार्य करूंगा।÷इस अवसर पर अखिल भारतीय पुजारी पुरोहित संघ के प्रदेश संयोजक नियुक्त किए जाने पर संत-समाज एवं अखाड़ा-परंपरा से जुड़े महापुरुषों ने हर्ष व्यक्त करते हुए अपनी शुभकामनाएँ प्रेषित कीं।

इनमें प्रमुख रूप से: महंत नरेंद्र दास (निर्मोही अखाड़ा),नागा महंत हरिशंकर दास,धर्म स्तंभ काउंसिल के महंत सुरेंद्र दास,भागवताचार्य नारायण महाराज,महंत श्याम दास,महंत हेमंत दास,वैष्णवाचार्य कार्तिक गोस्वामी (राधा रमण मंदिर, वृंदावन),महंत देव दास (रामकुंड),वेनुगोपाल महाराज (जगदलपुर इस्कान),महंत बसंत दास,महंत गोविंद दास,आलोक पांडे,रितेश शर्मा, वैष्णव महासभा के युवा इकाई के अध्यक्ष प्रतुल वैष्णव,वैभव वैष्णव,दीपेश रामावत,

सहित अनेक संत-महंत, पुजारी एवं पुरोहित समाज ने बधाई संदेश भेजकर संघ के कार्यों में सहयोग का आश्वासन दिया।

संगठनात्मक दृष्टि से छत्तीसगढ़ के लिए महत्वपूर्ण - अखिल भारतीय पुजारी पुरोहित संघ सदियों पुरानी सनातन संस्कृति, शास्त्रीय परंपरा और पूजा-पद्धति की रक्षा हेतु समर्पित संगठन है,इस नियुक्ति के साथ डॉ. निर्वाणी को न केवल छत्तीसगढ़ में, बल्कि पड़ोसी राज्यों मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र और उड़ीसा में भी संगठनात्मक विस्तार का दायित्व सौंपा गया है,यह निर्णय संघ की दूरदर्शी नीति और युवा नेतृत्व में विश्वास का प्रतीक है,आने वाले समय में संघ पुजारी-पुरोहित समाज की सामाजिक, धार्मिक और सांस्कृतिक भूमिका को और सशक्त करेगा।

Women for Tree Campaign' का शुभारंभ किये विधायक अनुज

धरसींवा /मूक पत्रिका

विधानसभा के नगर पंचायत खरोरा में गुरुवार को पर्यावरण संरक्षण एवं महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक नई पहल की शुरुआत हुई। विधायक अनुज शर्मा ने ÒWomen for Tree CampaignÓ का शुभारंभ करते हुए पौधारोपण कर अभियान की औपचारिक शुरुआत की(यह अभियान 'एक पेड़ माँ के नाम' पहल के अंतर्गत,ह्ल स्न्न्र स्न्ह्वह्लह्वह्नश्ठ्ठ 2.0 एवं डे-एनयूएलएम योजनाओं के सहयोग से संचालित किया जा रहा है। इसके तहत नगर पंचायत खरोरा की चार महिला स्वसहायता समूहों को चार अलग-अलग स्थलों पर पौधारोपण और उनकी देखभाल की जिम्मेदारी सौंपी गई है। प्रत्येक समूह आगामी एक वर्ष तक पौधों की देखभाल करेगा, जिसके लिए उन्हें नियमित प्रोत्साहन राशि भी दी जाएगी। इस अवसर पर विधायक अनुज शर्मा

ने सभी को बधाई देते हुए कहा कि ÷एक पेड़ माँ के नाम÷ एक प्रयास है जो हमारी मातृभूमि और प्रकृति के प्रति हमारे सम्मान और समर्पण को दर्शाता है। इस अभियान का उद्देश्य माँ के नाम पर एक पेड़ लगाना और एक स्थायी स्मृति बनाना है, जो न केवल पर्यावरण की रक्षा करेगा बल्कि एक हरे और अधिक समृद्ध भविष्य के निर्माण में भी योगदान देगा। माँ और प्रकृति दोनों ही जीवन का मूल आधार हैं और इस पहल के माध्यम से हम अपनी जिम्मेदारी निभा रहे हैं। ÷एक पेड़ माँ के नाम÷ का हिस्सा बनें और अपनी माँ के लिए एक अविस्मरणीय स्मृति बनाने के लिए एक पेड़ लगाएँ।हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का एक सपना हैं 'एक राष्ट्र-एक चुनाव' हमारा भारत देश हो , इसे हमारे देश में राजनीतिक स्थिरता और विकसित भारत की परिकल्पना को साकार करने हेतु प्रधानमंत्री मोदी का विजन है।'एक राष्ट्र-एक चुनाव' देश में राजनीतिक स्थिरता और विकसित भारत की परिकल्पना को साकार करने हेतु प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का विजन है। कार्यक्रम की विशेषता यह रही कि, सभी पौधों का जियो-टैगिंग एवं ऑनलाइन रिकॉर्डिंग की व्यवस्था की गई है, ताकि उनकी नियमित निगरानी की जा सके।

ग्रामीण क्षेत्रों में इनोवेशन्स से होगा समस्या का निदान -ब्रिगेडियर पी गणेशम, गांवों के सरपंच, प्राध्यापक और विद्यार्थी हुए लाभान्वित

महाविद्यालय में आयोजित हुआ ग्रासरूट एट इनोवेशन्स पर कार्यशाला

बेमेतरा/मूक पत्रिका

सर्वतोमुखी समाधान शिक्षा संस्कार समिति द्वारा संचालित समाधान महाविद्यालय एवं आईटीआई में 'इनोवेशन्स एट ग्रासरूट' पर कार्यशाला आयोजित हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ वंदना से किया गया।

समिति की अध्यक्ष डॉ. अलका तिवारी एवं डायरेक्टर अविनाश तिवारी ने अतिथियों का स्वागत एवं अभिनंदन किया। महाविद्यालय के डायरेक्टर डॉ. अवधेश पटेल ने कार्यक्रम की रूपरेखा को रखा। मानव तीर्थ से अंकित पोगुला ने मुख्य अतिथि रिटायर्ड ब्रिगेडियर पी गणेशम का परिचय देते हुए कहा कि इनको भारत के पूर्व राष्ट्रपति डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम के साथ मिलकर कार्य का अवसर प्राप्त हुआ, जिनसे जीवन में आगे बढ़ने की प्रेरणा मिली। इसके पश्चात राष्ट्रपति विशिष्ट मेडल से सम्मानित हुए। सेना से सेवानिवृत्ति के बाद भारत डायनेमिक लिमिटेड में निदेशक के रूप में सेवा की।

सलाहकार बोर्ड ईसीएचएस और आंध्रप्रदेश राज्य सैनिक बोर्ड तेलंगाना के सदस्य रहें। वर्तमान में जमीनी स्तर पर नवाचार के लिए कार्य कर रहे हैं। पिछले 25 वर्षों में 100 से अधिक लोगों को राष्ट्रीय स्तर के अवार्ड दिलवा चुके हैं जिनमें से तीन पद्मश्री व राष्ट्रपति पुरस्कार से सम्मानित किया गया हैं। मुख्य अतिथि ने अपने विचारों को साझा करते हुए बताया कि हमारे कार्य करने का ध्येय व्यक्तिगत उत्कृष्टता का सम्मान कर आगे बढ़ाना, अपूर्णता को पहचानकर पूर्णता की ओर ले जाना व संसाधनों को अधिक लोगों के लिए उपलब्ध कराने पर आधारित हैं। गांव में खुशहाली के लिए जमीन स्तर पर नवाचार की परम आवश्यकता हैं। हमें ग्रासरूट लेवल की समस्या को पहचानकर सृजनात्मक कार्य करना है, जिससे लोगों के कार्यो में आसानी व सुविधा आ सकें। लोगों में स्वयंसेवा, मूल्यों व संवेदना से नवाचार की शुरुआत किया जाना संभव हैं। नई पद्धति से लोगों में कार्य के प्रति रुचि व प्रेरणा जागृत होती हैं। इसके पश्चात उन्होंने पीपीटी प्रेजेंटेशन के माध्यम से ग्रॉसरूट इनोवेशन के उल्लेखनीय कायों जैसे- यूजर फ्रेंडलो पेडल रिक्शा, एडजेस्टेबल वाटर, पोल क्लाइविंग, फर्टिलाइजर डिस्पेंसर, साइकिल ड्राइवर स्प्रेयर, स्कूल टैप्स, विलेज ट्रांसपोर्टर क्रोंडल नायक, पैडल लिफ्ट फार हैंडलूम्स, क्रेन फॉर इच विलेज, विलेज ट्रांसपोर्टर, व्हील फार ट्रैक्टर, शेड फार फार्मर,वीडिंग इन पैडी फील्ड, पैडल लिफ्टर आफहैंडलूम, क्रेन फॉर ईच विलेज, शैड फॉर फार्मर्स आदि को रखा। विद्यार्थियों ने महोदय से उनके जीवन यात्रा से संबंधित प्रश्न पूछे। महोदय ने बताया कि मैंने अपनी यात्रा में एक्सीलेंस को केंद्र में रखा। जहां भी कुछ नया सीखने का अवसर प्राप्त हुआ पूर्ण लगन व निष्ठा से सीखने का प्रयास किया। आर्मी में ब्रिगेडियर के पद पर कार्य करने सौभाग्य प्राप्त हुआ। जमीनी स्तर पर नवाचार की शुरुआत दर्द व सहानुभूति से प्रारंभ होती है। जब हम अपने आसपास यह देखते हैं कि लोग किसी प्रकार का कष्ट में है, तब हम उनके समस्या को दूर करने के लिए उपचार करते हैं। इसकी गहराई में जाकर सूक्ष्मता से समस्या का निराकरण करने का प्रयास करते हैं। हमारे एक प्रयास से लोगों को जो खुशी प्राप्त होती है, वह सही मायने में मानवीयतापूर्ण आचरण के अंतर्गत आता है।

गांव में सृजनात्मक की इस कड़ी को आगे बढ़कर लोगों के कार्यो में सरलता व आनंद लाया जा सकता है। ताला के सरपंच विवेक दीवान ने हम अपने क्षेत्र में नवाचार की तकनीकी को कैसे प्रारंभ करें? महोदय ने जवाब दिया कि आप अपने क्षेत्र की समस्या का सूक्ष्मता से अध्ययन करें हम आपको अपने विशेषज्ञों से मिलवा कर समस्या का निदान करने में जरुर मदद करेंगे। डायरेक्टर अविनाश तिवारी ने आभार व्यक्त करते हुए कहा कि लोगों की पीड़ा व परेशानी को समझ कर उसे खुशी में बदलने का नाम ही इनोवेशन है। समाधान महाविद्यालय आपको एक ऐसा प्लेटफॉर्म प्रदान करता है, जिससे नई विचारधारा को इनोवेशन्स में क्रियान्वित कर पाए। अतिथियों को महाविद्यालय के प्रतीक चिन्ह व शाल से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम को-ऑर्डिनेट कराने में शिक्षक प्रतिनिधि निधि तिवारी की भूमिका रही। कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्रशासनिक अधिकारी उमेश सिंह राजपूत, एनएसएस व क्रीड़ा अधिकारी राजेश गजपाल, आईटीआई की प्राचार्या आशा झा, अधीक्षक आकाश हिरवानी तथा ग्रामीण अंचल के जनप्रतिनिधि बसंत कुमार डेहरे पंच फरी, रामेश्वर निषाद उपसरपंच फरी, लक्ष्मण प्रसाद डेहरे सरपंच फरी, शेषनारायण साहू सरपंच तेंदवा, रोहित शर्मा खमरिया डी सरपंच, टाकेश्वर वर्मा पंच खमरिया डी एवं समस्त सहायक प्राध्यापक डॉ. जी. डी. मानिकपुरी, योगेश्वर सिन्हा, रूपेंद्र डहरिया, नंदनी वर्मा, राजेंद्र वर्मा, राजेश यादव, अंशु दत्ता, शुभम गजभिये, तुकाराम जोशी, अमित कुमार पटेल, हुतेन्द्र कुमार सिन्हा, नूतन मिश्रा, रेशमा पटेल, गायत्री राजपूत, हरीश कुमार पटेल, जोगेंद्र साहू, होरीलाल देवांगन, कमलेश साहू व धर्मपाल नोन्हारे सहित समस्त छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।

''आदि कर्मयोगी अभियान'' : जिला स्तरीय उन्मुखीकरण कार्यक्रम आयोजित, 35 चिन्हांकित ग्रामों में बनेगा 01-01 आदि सेवा केन्द्र

जिले के 22 हजार 890 से अधिक जनजातीय नागरिकों को लाभ पहुंचाने का लक्ष्य

मुंगेली /मूक पत्रिका

आदिवासी विभाग द्वारा संचालित ''आदि कर्मयोगी अभियान'' के अंतर्गत बीते गुरुवार को कलेक्टोरेट स्थित मनियारी सभाकक्ष में जिला स्तरीय उन्मुखीकरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। आदि कर्मयोगी अभियान का उद्देश्य अनुसूचित जनजातियों के विकास एवं कल्याण से जुड़े हुए प्रमुख योजनाओं की संतृप्ति सुनिश्चित करना है, जो प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के ''सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयास'' तथा सेवा, समर्पण और संकल्प से प्रेरित है। कार्यक्रम में कलेक्टर कुन्दन कुमार ने कहा कि केन्द्र शासन द्वारा जनजातीय योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के उद्देश्य से यह नई पहल की शुरुआत की गई है। यह अभियान आदिवासी समाज को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने और शासन की योजनाओं को जन-जन तक पहुँचाने का एक व्यापक प्रयास है। इस अभियान के

अंतर्गत जिले के तीनों विकासखण्डों के 35 आदिवासी बाहुल्य ग्रामों के 05 हजार 498 परिवार के 22 हजार 890 से अधिक जनजातीय नागरिकों को प्रत्यक्ष लाभ पहुंचाने का लक्ष्य रखा गया है। जिले में कुल 35 चिन्हांकित ग्रामों में 01-01 आदि सेवा केन्द्र (एकल खिड़की सेवा केन्द्र) का निर्माण किया जाएगा, जिसे ÷वन-स्टॉप सेवा केंद्र÷ के रूप में विकसित किया जाएगा। इन केंद्रों पर विभागीय संपर्क विवरण, योजनाओं की जानकारी, शिकायत निवारण रजिस्टर जैसी सुविधाएँ उपलब्ध कराई जाएँगी। इसके साथ ही आदि सेवा केन्द्र के माध्यम से संबंधित ग्राम के विकास, अधोसंरचना एवं बुनियादी सुविधाओं की पूर्ति करने के लिए इन सभी के द्वारा संयुक्त रूप से अभिसरण के माध्यम से ग्राम विकास योजना बनाया जाएगा। मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत प्रभाकर पांडेय ने कहा कि 'आदि कर्मयोगी योजना' का मुख्य उद्देश्य जनजातीय क्षेत्रों में योजनाओं की क्रियान्वयन प्रणाली को दुरुस्त करना है। उन्होंने सभी प्रशिक्षकों को अपने प्रशिक्षण के अनुभव को जमीनी स्तर तक पहुंचाने और अभियान को सफल बनाने में सक्रिय भूमिका निभाने कहा। अभियान के अंतर्गत आदि कर्मयोगी, आदि सहयोगी एवं आदि साथी के माध्यम से जनजातीय गॉवों में विभिन्न योजनाओं में क्रिटिकल गेप को चिन्हांकित कर योजनाओं का शतप्रतिशत लाभ सुनिश्चित किया जाएगा। इस अवसर पर जिले के विभिन्न विभागों से जुड़े जिला एवं ब्लॉक स्तरीय प्रशिक्षक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

कलेक्टर ने ली प्रेसवार्ता, अभियान के संदर्भ में दी जानकारी

कलेक्टर कुन्दन कुमार ने जिला कलेक्टोरेट स्थित मनियारी सभाकक्ष में प्रेसवार्ता कर 'आदि कर्मयोगी अभियान'' के संबंध में मीडिया प्रतिनिधियों को जानकारी दी। उन्होंने योजना का उद्देश्य, जिले में क्रियान्वयन सहित अभियान के संबंध में विस्तार से बताया। इस दौरान जिला पंचायत सीईओ प्रभाकर पाण्डेय, अपर कलेक्टर राजेन्द्र गुप्ता, संबंधित अधिकारी और विभिन्न मीडिया के प्रतिनिधिगण मौजूद रहे।

जनता की हर समस्या का समाधान सुनिश्चित करना हमारा संकल्प है-अनुज

जनदर्शन में विधायक ने सुनी लोगो की समस्याएं-कई समस्याओं का किया त्वरित निराकारण

धरसीवां/मूक पत्रिका

विधायक अनुज शर्मा ने अपने विधानसभा क्षेत्र के लोगो के बीच पहुँच कर उनकी समस्याएं सुनी तथा उनके निराकरण हेतु आवश्यक दिशा निर्देश दिए। बीते गुरुवार दोपहर 2 बजे से 4 बजे तक अपने विधायक जनदर्शन कार्यलय खरोरा में लोगो के बीच रह कर उनकी समस्याओं को सुना और त्वरित समाधान भी किया। उन्होंने मीडिया से चर्चा करते हुए बताया कि विधान सभा चुनाव के बाद प्रति गुरुवार को खरोरा जनदर्शन कार्यक्रम आरम्भ किया गया था परंतु क्षेत्रीय दौरा के चलते इसे स्थगित किया गया था। जो अब पुनः शुरु हो गया है। उन्होंने कहा कि इसके माध्यम से लोगो की छोटी बड़ी समस्याओ का निराकारण किया जाता है।जनदर्शन का उद्देश्य प्रशासनिक व्यवस्था में कसावट लाना है। आम आदमी को छोटे-छोटे काम के लिए भटकना न पड़े, कर्मचारी-अधिकारी नियम-कानून का अड़ंगा लगाकर

जनसामान्य को परेशान न करें। इसकी अब सतत निगरानी की जाएगी। आम आदमी को परेशान कर शासन की छवि धूमिल करने वाले अधिकारी बख्शे नहीं जाएंगे। उन्होंने सख्त चेतावनी दी है कि क्षेत्र के किसान, गरीब, मजदूर और अंतिम छोर के व्यक्ति को कोई परेशानी न हो, यह अधिकारियों की जिम्मेदारी है। सरकार के महत्वाकांक्षी योजनाओं को जमीनी स्तर पर हितग्राहियों को लाभान्वित करने संबंधित अधिकारी कमर कस लें, इसमें लापरवाही नहीं चलेगी।

शासकीय एम एम आर स्नातकोत्तर महाविद्यालय चाम्पा में इको क्लब के तत्वाधान में किया गया पौधारोपण

जांजगीर चांपा /मूक पत्रिका

शासकीय एम एम आर स्नातकोत्तर महाविद्यालय चाम्पा में स्वतंत्रता दिवस के शुभ अवसर पर इको क्लब के तत्वावधान में किया गया पौधरोपण। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ एच पी खैरवार के मार्गदर्शन में महाविद्यालय के वानस्पतिक उद्यान में एक पेड़ माँ के नाम से लगाया गया। महाविद्यालय में इंसुलिन, भुई नीम, गुड़हल, आँवला, गुलाब, ब्रायोफीलम, अपराजिता, आम, अमरूद आदि पौधे लगाए गए। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ खैरवार, वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ बी डी दीवान, प्रो आर आर साहू, डॉ महिपाल, डॉ भारद्वाज, डॉ व्ही एम दांडेकर, डॉ व्ही के शर्मा, डॉ मिरी, डॉ डी एन बंजारे, डॉ सुनीता राठौर,प्रो मीनाक्षी चंद्रा, इकोक्लब प्रभारी डॉ नीलिमा पाण्डेय, प्रो विवेक जायसवाल, प्रो अनुराधा राठौर, प्रो हंसराज, शिव सूर्यवंशी, जे के दीवान, संतोष तिवारी, हेम बाई यादव , लक्ष्य, कार्तिक सभी पौधे लगाए। इस अवसर पर महाविद्यालय के समस्त अधिकारी एवं कर्मचारी एवं छात्र/ छात्राएं उपस्थित थे।

पुलिस अधीक्षक जांजगीर चांपा के निर्देशन में थाना चांपा पुलिस द्वारा अपराधियों के खिलाफकी गई सख्त कार्रवाई

धारदार हथियार के साथ 02 आरोपी चढ़े चाँपा पुलिस के हत्थे

जांजगीर चांपा /मूक पत्रिका

आरोपियों द्वारा धारदार हथियार के साथ आने जाने वाले लोगों को हथियार लहराकर कर रहे थे भयाक्रांत। दोनों आरोपियों को धारा 25,27 आर्म्स एक्ट के तहत गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेजा गया।गिरफ्तार आरोपियों का नाम- 1- शंकर दास महंत उर्फ बिल्ला पिता संतोष दास महंत 26 वर्ष निवासी शंकर नगर चांपा। 2-रोहन चौहान पिता तीरथराम चौहान 19 वर्ष निवासी तिलक नगर तालाब पारा चांपा उपरोक्त कार्रवाई में थाना प्रभारी निरीक्षक जयप्रकाश गुप्ता, सहित स्टॉफ का विशेष योगदान रहा।

जापान एवं दक्षिण कोरिया के दस दिवसीय प्रवास पर रहेंगे मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय

रायपुर /मूक पत्रिका

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने अपने विदेश दौरे को लेकर कहा कि मैं जापान एवं दक्षिण कोरिया के दस दिवसीय प्रवास पर रवाना हो रहा हूं।स्वामी विवेकानंद एयरपोर्ट, रायपुर में शुभकामनाएं देने पहुँचे मेरे सहयोगी कैबिनेट मंत्री राम विचार नेताम , टंकराम वर्मा , गजेंद्र यादव, गुरु खुशवंत साहेब एवं विधायक पुरंदर मिश्रा ,रवि कुमार ,का हृदय से आभार। छत्तीसगढ़ नई औद्योगिक नीति के साथ तेजी से औद्योगिक विकास व निवेश का केंद्र बन रहा है। मुझे पूर्ण विश्वास है कि आप सबके स्नेह और मंगलकामनाओं से यह प्रवास निश्चित ही प्रदेश में निवेश और रोजगार सृजन की दिशा में नए अवसरों के द्वार खोलेगी।

शिवसेना ने ग्राम कोहड़िया जनसुनवाई में आपत्ति दर्ज कराई

बेमेतरा/मूक पत्रिका

शिवसेना उद्धव बालासाहेब ठाकरे पार्टी के छत्तीसगढ़ प्रदेश महासचिव दाऊ राम चौहान ने कहा कि ग्राम कोहड़िया में बृजेश स्टील प्राइवेट लिमिटेड कंपनी की जनसुनवाई में जिला प्रशासन के द्वारा रखा गया था उक्त जनसुनवाई कार्यक्रम में शिवसेना पार्टी के जिला प्रमुख गिरवा रजक, जिला कार्यकारिणी अध्यक्ष रामचरण वर्मा, नवागढ़ विधानसभा प्रमुख नारायण वर्मा, नवागढ़ विधानसभा सचिव अनिल वर्मा, पार्टी के सक्रिय कार्यकर्ता वीरेंद्र कुमार निषाद के द्वारा आपत्ति दर्ज किया आगे चौहान ने कहा कि उक्त ग्राम में प्रदूषण युक्त फैक्ट्री खुलने से जनजीवन एवं कृषि को प्रभावित होगा उक्त क्षेत्र के 10 से 15 किलोमीटर ग्रामीणों को प्रदूषण एवं कृषि प्रधान जिला बेमेतरा को ध्यान में रखते हुए शिवसेना उद्धव बालासाहेब ठाकरे पार्टी ने आपत्ति दर्ज किया।

आगामी गणेश चतुर्थी एवं नवरात्रि पर्व को दृष्टिगत रखते हुए थाना चांपा क्षेत्र के समस्त मूर्तिकारों की बैठक की गई आयोजित

- मूर्तिकारों को स्पष्ट निर्देश दिया गया कि किसी भी प्रकार की स्टाइलिश, फिल्मी शैली या विकृत स्वरूप की मूर्तियाँ नहीं बनाई जाए नहीं तो होगी कार्रवाई

जांजगीर चांपा /मूक पत्रिका

आगामी गणेश चतुर्थी एवं नवरात्रि पर्व को दृष्टिगत रखते हुए थाना चांपा क्षेत्र के समस्त मूर्तिकारों की बैठक थाना परिसर में आयोजित की गई। इस बैठक में सभी मूर्तिकारों को यह समझाइश दी गई कि वे केवल देवी-देवताओं की मूल स्वरूप अनुसार मूर्तियों का निर्माण करें। मूर्तिकारों को स्पष्ट निर्देश दिया गया कि किसी भी प्रकार की स्टाइलिश, फिल्मी शैली या विकृत स्वरूप की मूर्तियाँ नहीं बनाई जाएँगी। यदि ऐसा किया जाता है तो उनके विरुद्ध वैधानिक कार्रवाई की जाएगी यह कार्रवाई स्थानीय धार्मिक अनुयायियों द्वारा पुलिस अधीक्षक, जिला जांजगीर-चांपा को दिए गए ज्ञापन के परिपालन में की गई। बैठक में पुलिस अधिकारियों ने मूर्तिकारों की तैयार मूर्तियों का निरीक्षण किया तथा यह सुनिश्चित किया कि सभी मूर्तियाँ भगवान के परंपरागत स्वरूप में ही हों।इस अवसर पर मूर्तिकारों ने भी प्रशासन के निर्देशों का पूर्ण समर्थन करते हुए लिखित में सहमति दी कि वे आगे से केवल देवी-देवताओं की मूल स्वरूप की मूर्तियों का ही निर्माण करेंगे। पुलिस विभाग ने आमजन से भी अपील की है कि वे पर्व-त्योहारों को सामाजिक सौहार्द एवं परंपरागत मर्यादा के साथ मनाएँ और किसी भी प्रकार की भ्रामक या विकृत मूर्ति निर्माण की जानकारी मिलने पर तत्काल पुलिस को सूचित करें।

थाना सारागांव पुलिस द्वारा अलग- अलग जगहों से अवैध शराब बिक्री करने वाले 02 आरोपियों को किया गिरफ्तार

जांजगीर चांपा /मूक पत्रिका

पुलिस अधीक्षक विजय कुमार पाण्डेय के निर्देशन पर जिले में अवैध शराब बिक्री पर अंकुश लाने के लिए पुलिस द्वारा की जा रही है लगातार कार्यवाही।दोनो आरोपियों के विरूद्ध धारा 34 (2) आबकारी एक्ट के तहत कार्यवाही कर न्यायिक रिमाण्ड पर भेजा गया।पुलिस अधीक्षक जांजगीर - चाम्पा के निर्देशन में जिला पुलिस जांजगीर द्वारा अवैध शराब पर अंकुश लाने के लिए लगातार कार्यवाही की जा रही है। इसी क्रम में थाना सारागांव पुलिस द्वारा अवैध शराब बिक्री करने वालो के विरूद्ध कार्यवाही किया गया जिसमें आरोपी नाथु राम बरेठ उम्र 50 साल निवासी देवरी थाना सारागांव के कब्जे से 36 पाव देशी प्लेन शराब एवं परिवहन में प्रयुक्त

एक मोटर सायकल तथा आरोपी अभिषेक रत्नाकर उम्र 20 साल निवासी डबरीपारा सारागांव के कब्जे से 07 लीटर अवैध कच्ची महुआ शराब जुमला किमती 3100/ रूपया बरामद किया जाकर आरोपियों के विरूद्ध अलग-अलग अपराध धारा 34 (2) भादवि. के तहत अपराध पंजीबद्ध किया जाकर आरोपियों को विधिवत् गिरफ्तार कर न्यायिक रिमाण्ड पर भेजा गया है। उपरोक्त कार्यवाही में निरीक्षक सुभाष चौबे थाना प्रभारी सारागांव का सराहनीय योगदान रहा।

पेशी की डेट बार-बार ना बढ़ाएं, राजस्व प्रकरणों का समय पर निराकरण अनिवार्य - कलेक्टर

कलेक्टर ने किया तहसील कार्यालय पामगढ़, शिवरीनारायण का औचक

- समय सीमा के बाहर के प्रकरणों का कैम्प कोर्ट लगाकर शीघ्र निराकरण करने के निर्देश
- त्रुटि सुधार संबंधी सभी प्रकरणों का निराकरण त्रुटि सुधार मॉड्युल के माध्यम से मौके पर ही करें
- उप पंजीयक कार्यालय, स्कूल व डिजिटल क्रॉप सर्वे का निरीक्षण

जांजगीर चांपा /मूक पत्रिका

कलेक्टर जन्मेजय महोबे ने बीते गुरुवार को पामगढ़ एवं शिवरीनारायण तहसील कार्यालय, उप पंजीयक कार्यालय, स्कूल का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने तहसील एवं एसडीएम कार्यालय में नामांतरण, अविवादित व विवादित बंटवारे, अभिलेख दुरूस्ती, त्रुटि सुधार, सीमांकन से संबंधित प्रकरणों की स्थिति की विस्तृत जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों एवं कर्मचारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि किसी भी प्रकरण की पेशी की तिथि अनावश्यक रूप से बार-बार न बढ़ाई जाए। कलेक्टर ने समय-सीमा से बाहर लंबित प्रकरणों पर नाराजगी जताई। उन्होंने कहा कि समय-सीमा से बाहर लंबित प्रकरणों का शीघ्र निराकरण प्राथमिकता में किया जाए और इसके लिए कैम्प कोर्ट लगाकर मामलों का निपटारा सुनिश्चित करें। साथ ही त्रुटि सुधार संबंधी सभी प्रकरणों का निराकरण त्रुटि सुधार मॉड्युल के माध्यम से मौके पर ही किया जाए। उन्होंने कहा कि सभी राजस्व प्रकरणों को ई-कोर्ट में दर्ज किया जाए, जिससे उनकी मॉनिटरिंग और ट्रैकिंग आसान हो सके। साथ ही रिकॉर्ड दुरुस्तीकरण और त्रुटि सुधार के मामलों पर भी विशेष ध्यान देने को कहा गया। कलेक्टर ने कहा कि यदि त्रुटिसुधार के प्रकरण में फील्ड के कर्मचारियों द्वारा जानबूझ के त्रुटि की गई है तो संबंधितों को नोटिस जारी कर अनुशासत्मक कार्रवाई करे। इस दौरान उन्होंने कार्यालय में आने वाले आवेदकों से बातचीत की और उनकी शिकायतो को सुना। इस अवसर पर एसडीएम जांजगीर सुब्रत प्रधान, एसडीएम पामगढ़ देवेन्द्र चौधरी सहित तहसीलदार, संबंधित अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।

कलेक्टर ने ग्राम मेंहदी में खेतों में पहुंचकर डिजिटल फसल सर्वेक्षण के कार्य का किया निरीक्षण -

कलेक्टर जन्मेजय महोबे ने ग्राम मेंहदी में खेतों में पहुंचकर डिजिटल फसल सर्वेक्षण के कार्य का किया निरीक्षण किया। उन्होंने राजस्व अधिकारियों को डिजिटल फसल सर्वेक्षण के कार्यो का सतत निगरानी करने के निर्देश दिए। उन्होंने डिजिटल फसल सर्वेक्षण का कार्य गुणवत्तापूर्ण एवं कुशलतापूर्वक करने को कहा। उन्होंने सभी संबंधित अधिकारियों को डिजिटल फसल सर्वेक्षण हेतु निर्धारित तिथि तक कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि डिजिटल सर्वे से किसानों को बेहतर सुविधा और योजनाओं का लाभ मिलेगा, डिजीटल सर्वे का कार्य को त्रुटिरहित समय पर पूर्ण करने कहा।

संपादकीय

समूची दुनिया में मौसम के बिगड़ते स्वरूप को लेकर जताई जा रही है चिंता

कई शहरों में एक-दो घंटे की बरसात में ही सब कुछ ठहर-सा जाता है और चारों ओर बाढ़ का दृश्य बन जाता है। यह निश्चित रूप से अनियोजित शहरी विकास का नतीजा है, जहां बहुत अच्छी सड़कें तो बना दी जाती हैं, लेकिन पानी के निकास का उचित और पर्याप्त इंतजाम नहीं किया जाता है। मौसम की अपनी गति होती है और सामान्य स्थितियों में वह पारिस्थितिकी चक्र को बनाए रखने का एक जरूरी हिस्सा होती है। मगर पिछले कुछ समय से इसके स्वरूप में तेजी से बदलाव दर्ज किया जा रहा है और खासतौर पर बारिश की वजह से होने वाली तबाही की तस्वीर ज्यादा बिगड़ती जा रही है। यों हर वर्ष मानसून के पूरे मौसम में बारिश की वजह से देश के ज्यादातर हिस्से कम या ज्यादा प्रभावित होते हैं, लेकिन कई बार ऐसा लगता है कि बरसात अब बेलगाम हो रही है और तबाही का सिलसिला-सा बनता जा रहा है।पिछले दिनों उत्तराखंड के धराली और हर्षिल में, फिर जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ में बादल फटने और उससे हुई जानमाल की भारी तबाही की जैसी घटनाएं हुई, उन्होंने देश के बाकी हिस्सों के लोगों को भी दहला दिया। अब कश्मीर के कठुआ में भी बादल फटने और भूस्खलन की घटना में सात लोगों की जान चली गई। दूसरी ओर, मुंबई में लगातार तीन दिन की बारिश के बाद हालत यह हो गई, मानो शहर में बाढ़ आ गई हो। वहां कई इलाकों में जलभराव की वजह से जनजीवन पूरी तरह बाधित हो गया, कई जिलों में चेतावनी जारी कर दी गई है। वहीं मराठवाड़ा क्षेत्र में बादल फटने की घटना में नांदेड़ के पांच लोगों के लापता होने की खबर आई।इसी तरह, हिमाचल प्रदेश के मंडी सहित कई इलाकों में जिस तरह लगातार बार-बार बादल फटने की घटनाएं सामने आ रही हैं, उससे समूची स्थानीय आबादी के सामने किसी तरह खुद को बचाने की चुनौती खड़ी हो रही है। यह समझना मुश्किल हो रहा है कि कम या ज्यादा बरसात वाले जिस मानसून को देश की खेती-किसानी के लिए एक जरूरत के तौर पर देखा जाता था, अब वह कई राज्यों में व्यापक तबाही का कारण क्यों बन रहा है। कई इलाकों में अब बारिश के समांतर बादल फटने की घटना में भी इतनी तेजी से बढ़ोतरी क्यों देखी जा रही है? दूसरी ओर, कई शहरों में एक-दो घंटे की बरसात में ही सब कुछ ठहर-सा जाता है और चारों ओर बाढ़ का दृश्य बन जाता है। यह निश्चित रूप से अनियोजित शहरी विकास का नतीजा है, जहां बहुत अच्छी सड़कें तो बना दी जाती हैं, लेकिन पानी के निकास का उचित और पर्याप्त इंतजाम नहीं किया जाता है। नतीजतन, दिल्ली जैसे महानगर का बड़ा हिस्सा कुछ देर की घनघोर बरसात में ही जलभराव, सड़क जाम से त्रस्त हो जाता है और पेड़ों के गिरने से होने वाले जानमाल के नुकसान की अनेक घटनाएं सामने आती हैं।

सत्ता पक्ष जहां शासन संचालन और नीतियों को लागू करने के लिए जिम्मेदार होता है, वहीं विपक्ष लोकतंत्र का प्रहरी बनकर उसके हर कदम पर प्रश्नचिह्न खड़ा करता है, असंतोष को स्वर देता है और जनभावनाओं को दिशा देता है। लेकिन वर्तमान विपक्ष इन भूमिकाओं में नकारा साबित हो रहा है, ऐसा प्रतीत होता है कि विपक्ष अपनी ही बिसात पर मात खा रहा है, जिस तरह से विपक्ष और विशेषतः कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने वोट चोरी, ईवीएम में गड़बड़ी एवं मतदाता सूचियों के विशेष गहन परीक्षण पर बेतूके एवं आधारहीन आरोप लगाये हैं, उससे संवैधानिक संस्था चुनाव आयोग की गरिमा एवं प्रतिष्ठा तो आहत हुई ही है, लेकिन विपक्ष की भूमिका भी कठघरे में दिख रही है।

अपनी ही बिसात पर मात खा रहा है विपक्ष

(ललित गर्ग)

लोकतंत्र का सार यही है कि सत्ता और विपक्ष दोनों एक-दूसरे के पूरक हों, शत्रु नहीं। विपक्ष को केवल विरोध की राजनीति से बाहर आकर वैकल्पिक दृष्टिकोण देना होगा, और सत्ता-पक्ष को भी यह समझना होगा कि विपक्ष की आलोचना लोकतंत्र का अभिन्न हिस्सा है।

भारत का लोकतंत्र विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र है। यह केवल संख्याओं और मतों का खेल नहीं है, बल्कि एक ऐसी जीवंत प्रक्रिया है जिसमें सत्ता और विपक्ष दोनों की समान रूप से महत्वपूर्ण भूमिका होती है। सत्ता पक्ष जहां शासन संचालन और नीतियों को लागू करने के लिए जिम्मेदार होता है, वहीं विपक्ष लोकतंत्र का प्रहरी बनकर उसके हर कदम पर प्रश्नचिह्न खड़ा करता है, असंतोष को स्वर देता है और जनभावनाओं को दिशा देता है। लेकिन वर्तमान विपक्ष इन भूमिकाओं में नकारा साबित हो रहा है, ऐसा प्रतीत होता है कि विपक्ष अपनी ही बिसात पर मात खा रहा है, जिस तरह से विपक्ष और विशेषतः कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने वोट चोरी, ईवीएम में गड़बड़ी एवं मतदाता सूचियों के विशेष गहन परीक्षण पर बेतूके एवं आधारहीन आरोप लगाये हैं, उससे संवैधानिक संस्था चुनाव आयोग की गरिमा एवं प्रतिष्ठा तो आहत हुई ही है, लेकिन विपक्ष की भूमिका भी कठघरे में दिख रही है। यह अच्छा हुआ कि मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने प्रेस कांफ्रेंस कर वोट चोरी सहित ऐसे ही बेहूदा, आधारहीन एवं गुमराह करने वाले राहुल गांधी के आरोपों का न केवल बिन्दुबार जबाव दिया, बल्कि उन्हें बेनकाब करते हुए यह भी कहा कि वे या तो अपने निराधार आरोपों के सन्दर्भ में शपथ पत्र दें या सात दिनों के भीतर देश से माफी मांगें। निश्चित ही राहुल गांधी को ऐसी चेतावनी देना आवश्यक हो गया था, क्योंकि वे अपने संकीर्ण एवं स्वार्थी राजनीतिक हितों की पूर्ति के लिये लोकतंत्र की संवैधानिक संस्थाओं की गरिमा को धुंधलाने की सारी हदें पार चुके हैं।

हाल के दिनों में जिस तरह चुनाव आयोग, मतदाता सूची और वोट चोरी के आरोपों को लेकर बहस छिड़ी है, उसने इस प्रश्न को फिर से गहराई से सोचने को बाध्य किया है कि क्या लोकतंत्र में विपक्ष बेबुनियाद आरोप लगाते हुए अपनी भूमिका को प्रश्नों के घेरे में कब तक डालता रहेगा? विपक्ष बिना ठोस प्रमाण के बड़े आरोप लगाकर लोकतांत्रिक संस्थाओं की विश्वसनीयता पर प्रश्न खड़े कर देता है। क्या जनहित के नाम पर जनता के व्यापक हित से जुड़े सुधारों का विरोध करना विपक्ष का शगल बन गया है? पिछले एक दशक से विपक्ष लोकतंत्र को सशक्त बनाने की अपनी भूमिका की बजाय उसे कमजोर एवं जर्जर करने में जुटा है। उसने सत्ता-पक्ष को घेरने के लिये जरूरी मुद्दों को सकारात्मक तरीकों से उठाने की बजाय विध्वंसात्मक तरीकों से विकास के जनहितकारी मुद्दों को भी विवाद का मुद्दा बनाते हुए सारी हदें पार कर पार दी है। आधार को बैंक अकाउंट से जोड़ने का मामला हो या अनुच्छेद 370 को खत्म करना हो। सीएए-एनआरसी का मामला हो या हाल में चुनाव आयोग द्वारा बिहार में मतदाता सूची का विशेष गहन परीक्षण अभियान हो। विपक्ष मोदी सरकार के इन विकासमूलक सुधारों को जनहित के खिलाफ बताते हुए मुखर विरोध कर रहा हैं, जो लोकतंत्र को धुंधलाने की एक बड़ी साजिश प्रतीत होती है। निश्चित ही विपक्ष की इस खींचतान में सबसे बड़ी क्षति जनता की आस्था की होती है। जब चुनाव आयोग जैसी संवैधानिक संस्थाओं

की निष्पक्षता संदिग्ध बनाई जाती है, तो लोकतंत्र की नींव हिलने लगती है। लोकतंत्र में हार-जीत से भी बड़ा मुद्दा चुनाव प्रक्रिया की पारदर्शिता और विश्वसनीयता होता है।

विपक्ष केवल सत्ता की आलोचना करने के लिए नहीं है। उसका दायित्व है कि वह जनता की समस्याओं जैसे बेरोजगारी, महंगाई, जीएसटी की अतिश्योक्तिपूर्ण वसूली, पर्यावरण, सफाई, नारी की असुरक्षा जैसे ज्वलंत मुद्दों को उजागर करे, ठोस विकल्प प्रस्तुत करे और लोकतांत्रिक संस्थाओं की मजबूती में योगदान दे। केवल आरोप-प्रत्यारोप में उलझकर यदि विपक्ष अपनी ऊर्जा खर्च कर देता है तो वह जनता का विश्वास खो देता है। यही कारण है कि आज विपक्ष की स्थिति कमजोर मानी जा रही है, क्योंकि वह केवल आरोप लगाता हुआ दिखता है, समाधान प्रस्तुत करने में पिछड़ जाता है। सत्ता पक्ष को भी यह नहीं भूलना चाहिए कि लोकतंत्र केवल बहुमत से नहीं चलता, बल्कि सहमति और पारदर्शिता से भी चलता है। यदि विपक्ष लगातार सवाल उठा रहा है तो सत्ता पक्ष का कर्तव्य है कि वह धैर्यपूर्वक उत्तर दे, जाँच के रास्ते खोले और हर आरोप को तथ्यों से परखे। विपक्ष को नकार देना लोकतंत्र को कमजोर करना है। जब सत्ता और विपक्ष के बीच टकराव बढ़ता है, तब न्यायपालिका अंतिम सहारा बनती है। यही कारण है कि आज बार-बार सुप्रीम कोर्ट से हस्तक्षेप की माँग उठती है। यह स्थिति लोकतंत्र के लिए शुभ संकेत नहीं है, क्योंकि इसका अर्थ है कि जनता और राजनीतिक दल चुनाव आयोग व अन्य संवैधानिक संस्थाओं पर भरोसा नहीं कर पा रहे। इसलिए न्यायपालिका की भूमिका भी अब केवल विवाद सुलझाने की नहीं रह गई है, बल्कि लोकतंत्र के विश्वास को पुनः स्थापित करने की हो गई है, जबकि यह कार्य राजनीतिक दलों एवं चुनी हुई सरकारों का होता है।

लोकतंत्र का सार यही है कि सत्ता और विपक्ष दोनों एक-दूसरे के पूरक हों, शत्रु नहीं। विपक्ष को केवल विरोध की राजनीति से बाहर आकर वैकल्पिक दृष्टिकोण देना होगा, और सत्ता-पक्ष को भी यह समझना होगा कि विपक्ष की आलोचना लोकतंत्र का अभिन्न हिस्सा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने प्रारंभ से ही विपक्ष को महत्व दिया है, उन्होंने संवेदनशील सरकार के साथ सृजनात्मक नेतृत्व का परिचय दिया है लेकिन विपक्ष जब आग्रह, पूर्वाग्रह एवं दुराग्रह से घिरा हो तो सकारात्मक दिशाएं कैसे उद्घाटित हो सकती है? आज की राजनीति में लोकतंत्र और विपक्ष के बीच खींचतान तेज़ है। यह टकराव लोकतंत्र को कमजोर करने वाला नहीं बल्कि उसे और परिपक्व बनाने वाला होना चाहिए। आवश्यकता इस बात की है कि विपक्ष अपनी रचनात्मक भूमिका निभाए और सत्ता पक्ष उसकी आलोचना को स्वीकार कर उत्तरदायित्वपूर्ण जवाब दे। तभी लोकतंत्र की असली शक्ति और जनता के विश्वास को बनाए रखा जा सकता है।

लोकतंत्र की शक्ति केवल सरकार में नहीं बल्कि एक सशक्त और रचनात्मक विपक्ष में भी निहित होती है। विपक्ष लोकतांत्रिक ढांचे का आवश्यक स्तंभ है, जो सत्ता पर निगरानी रखता है, नीतियों में कमियों को उजागर करता है और जनता की आवाज़ को सदन तक पहुँचाता है। लेकिन जब विपक्ष अपनी इस जिम्मेदारी को भूलकर केवल नकारात्मक राजनीति पर उतर आए, तो लोकतंत्र की नींव कमजोर होने लगती है और देश की छवि तथा स्थिरता पर गंभीर खतरा उत्पन्न हो जाता है। आज भारत का विपक्ष जिस तरह संसद को ठप करने, व्यक्तिगत हमलों, दुष्प्रचार और असंवेदनशील आचरण पर आमादा है, उसने लोकतंत्र की गरिमा को ठेस पहुँचाई है। संसद सत्र, जहाँ जनता की समस्याओं का समाधान खोजा जाना चाहिए, वहाँ विपक्ष का रवैया अवरोध पैदा करने वाला अधिक दिखता है। महत्वपूर्ण विधेयकों पर सार्थक चर्चा के बजाय नारेबाज़ी और वॉकआउट आम बात हो गई है। यह स्थिति केवल सरकार ही नहीं, पूरे राष्ट्र के लिए घातक है। इतिहास गवाह है कि जब-जब विपक्ष ने रचनात्मक भूमिका निभाई है तो लोकतंत्र और मजबूत हुआ है। 1977 में आपातकाल के विरोध से लेकर 1989 तक विपक्ष ने लोकतंत्र को बचाने और पुनर्जीवित करने का कार्य किया। लेकिन 2014 के बाद से जिस तरह विपक्ष अपरिपक्व, निरंतर बिखरा हुआ, नेतृत्वविहीन और नकारात्मक एजेंडे पर केंद्रित रहा है, उसने लोकतांत्रिक संस्कृति को आघात पहुँचाया है।

विदेशी ताकतें हमेशा से भारत की आंतरिक कमजोरी का फायदा उठाने की फिराक में रहती हैं। जब विपक्ष सरकार की नीतियों का विरोध करने के नाम पर राष्ट्र-विरोध, राष्ट्रीय सुरक्षा, सेना की कार्रवाई या विदेश नीति तक पर सवाल उठाने लगता है, तो इसका सीधा लाभ पाकिस्तान और चीन जैसे देशों को मिलता है। अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत की छवि को धूमिल करना विपक्ष का उद्देश्य नहीं होना चाहिए, लेकिन दुर्भाग्य से हालात यही इशारा कर रहे हैं। लोकतंत्र में मतभेद होना स्वाभाविक है, लेकिन मतभेद को 'विघटन' में बदल देना खतरनाक है। विपक्ष को याद रखना होगा कि उसकी जिम्मेदारी केवल सत्ता पाने की नहीं, बल्कि देश की स्थिरता और विकास को सही दिशा देने की भी है। अगर विपक्ष अपने दायित्वों को नकारात्मक राजनीति में खोता रहा तो यह न केवल उसके लिए बल्कि पूरे लोकतंत्र के लिए आत्मघाती सिद्ध होगा। आज समय की मांग है कि विपक्ष आत्ममंथन करे।

दुनिया के चौधरी बने अमेरिका की धड़ाधड़ बंद हो रही दुकान ...भारत ने ब्रिक्स में चल दी ये तगड़ी चाल

(दिनेश मिश्र)

दुनिया के चौधरी बने फिर रहे अमेरिका के दिन अब लदने वाले हैं। दूसरी बार अमेरिका की सत्ता संभालने वाले राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को ये लगा था कि वो पूरी दुनिया में अपनी बात मनवा लेंगे। मगर, उनकी यह कोशिश नाकाम हो चुकी है। ट्रंप बार-बार अपने मंसूबे में फेल हो रहे हैं। उन्होंने भारत और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को अपना अच्छा दोस्त बताने के बावजूद 50 फीसदी टैरिफ लगाकर अचानक गच्चा दे दिया। वहीं, रूस से तेल न खरीदने को लेकर धमकियां भी दे डाली थी। ऐसे में भारत ने भी खुद को संप्रभु राष्ट्र बताते हुए ट्रंप को साफ कर दिया था कि हम झुकने वालों में से नहीं हैं। अब इससे एक कदम और आगे जाकर भारत ने ब्रिक्स के रूप में नई चाल चल दी है।

भारत ने ऐसा क्या कर दिया, जिससे परेशान अमेरिका: दरअसल, ट्रंप के 50 फीसदी टैरिफ के जवाब में भारत ने भी चुपचाप एक चाल चल दी। नवभारत टाइम्स पर छपी एक रिपोर्ट के अनुसार, भारत ने बैंकों को बिना पूर्व अनुमति के और अधिक वोस्ट्रो खाते खोलने का निर्देश दिया गया है। वेबसाइट वेचरगुरु पर छपी रिपोर्ट के हवाले से ये बताया गया था कि हाल ही में रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया ने कहा है कि बैंक अब दूसरे देशों के आयात-निर्यात व्यवसायों को विशेष वोस्ट्रो खातों के माध्यम से रुपये में व्यापार निपटान की अनुमति दे सकते हैं। विश्लेषकों का कहना है कि इस कदम से अंतरराष्ट्रीय बाजारों में डॉलर के प्रभुत्व में गिरावट और तेज हो सकती है। अमेरिकी की बड़ी परेशानी की वजह यही है।

रिक-यह भी दे रहा है ट्रंप को सिरदर्द: डोनाल्ड ट्रंप को एक और बात से बड़ा सिरदर्द हो रहा है। वह है आरआईसी का मंच तैयार करना। ट्रंप की चिंता यही है कि भारत उसके दो प्रतिद्वंद्वियों रूस और चीन के करीब जा रहा है। भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर हाल ही में चीन में शंघाई सहयोग संगठन में हिस्सा लेने गए थे। वहां उन्होंने इस बात के संकेत दिए थे। अब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी वहां जा सकते हैं। ऐसे में ट्रंप की टेंशन बढ़ना स्वाभाविक है।

रूस-यूक्रेन युद्ध भी नहीं खत्म करा पाए: ट्रंप ने वादा किया था कि वो रूस-यूक्रेन युद्ध जल्द खत्म करा देंगे। मगर, वह इतने दिन बाद भी ऐसा नहीं करा पाए। वह भारत-पाकिस्तान में सीजफायर का भी दावा कर चुके थे। मगर, भारत ने बार-बार सिरे से उनकी बात का खंडन कर दिया था। ऐसा कोई दावा और किसी देश ने भी नहीं किया था। उनका हर दावा झूठा निकला है। ब्रिक्स क्या है, इसका मकसद क्या है काउंसिल ऑन फारेन रिलेशंस-पर छपी एक रिपोर्ट के अनुसार, ब्रिक्स में शामिल देश ब्राजील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका के अलावा पांच नए सदस्य उभरती अर्थव्यवस्थाओं का एक अनौपचारिक समूह हैं। ये सदस्य वैश्विक व्यवस्था में अपना प्रभाव बढ़ाने की उम्मीद कर रहे हैं। 2009 में ब्रिक्स की स्थापना इस आधार पर की गई थी कि अंतर्राष्ट्रीय संस्थाओं पर पश्चिमी शक्तियों का अत्यधिक प्रभुत्व था और वे विकासशील देशों की को मदद देने से पीछे हट रही थीं। इस समूह ने अपने सदस्यों की आर्थिक और कूटनीतिक नीतियों में तालमेल बनाने, नए वित्तीय संस्थानों की स्थापना करने और अमेरिकी डॉलर पर निर्भरता कम करने का प्रयास किया है।

ब्रिक्स क्यों महत्वपूर्ण है, अमेरिका परेशान: यह गठबंधन कोई औपचारिक संगठन नहीं है, बल्कि गैर-पश्चिमी अर्थव्यवस्थाओं का एक स्वतंत्र समूह है जो एक साझा लक्ष्य के इर्द-गिर्द आर्थिक और कूटनीतिक प्रयासों का समन्वय करता है। ब्रिक्स देश विश्व बैंक , ग्रुप ऑफ़ सेवन (जी7) और संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद जैसे प्रमुख बहुपक्षीय समूहों में पश्चिमी दृष्टिकोण के प्रभुत्व के विकल्प के रूप में एक विकल्प बनाने का प्रयास करते हैं। इसके अलावा, ब्रिक्स 24 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था वाला बाजार है। इसी पर अमेरिका की नजर है।

यह भी है बड़ी वजह : समूह का 2024 का विस्तार कई भू-राजनीतिक निहितार्थों के साथ आया है। यह बढ़ती आर्थिक और जनसांख्यिकीय ताकत का प्रतीक है। 11 ब्रिक्स देश अब वैश्विक अर्थव्यवस्था के एक-चौथाई से ज्यादा और दुनिया की लगभग आधी आबादी का प्रतिनिधित्व करते हैं। यह समूह गाजा पट्टी और यूक्रेन में युद्धों , वैश्विक आर्थिक व्यवस्था के स्वरूप, चीन और पश्चिम के बीच प्रतिस्पर्धा और स्वच्छ ऊर्जा में परिवर्तन के प्रयासों पर प्रभाव डालने के लिए तैयार है। हालांकि, बढ़ती सदस्यता के साथ नई चुनौतियां भी आ रही हैं, जिनमें पश्चिमी देशों और समूह के भीतर विभाजनों से बढ़ता प्रतिरोध भी शामिल है। विशेषज्ञों का कहना है कि ब्रिक्स सदस्य इन तनावों से कैसे निपटते हैं, यह तय करेगा कि क्या यह समूह वैश्विक मंच पर एक अधिक एकीकृत आवाज बन पाएगा।

ऐसे हुई थी ब्रिक्स की पैदाइश

यह शब्द मूल रूप से गोल्डमैन सैक्स के अर्थशास्त्री जिम ओ-नील द्वारा 2001 के एक शोध पत्र में गढ़ा गया था , जिसमें उन्होंने तर्क दिया था कि तत्कालीन ब्रिक देशों (ब्राजील, रूस, भारत और चीन) की वृद्धि प्रमुख जी 7 धनी अर्थव्यवस्थाओं को चुनौती देने के लिए तैयार थी।

घुमन्तु समाज को मुख्यधारा में जोड़ने के लिए जरुरी केंद्र व राज्य सरकारों की इच्छाशक्ति

डॉ अतुल मलिकराम (राजनीतिक रणनीतिकार)

भारत की सांस्कृतिक विविधता में घुमंतू समाज एक अनमोल रत्न की तरह है, जो अपनी अनूठी जीवनशैली और परंपराओं के साथ देश की सामाजिक-आर्थिक संरचना का अभिन्न हिस्सा रहा है। लेकिन आश्चर्यजनक रूप से यह समाज, दशकों से अपनी खानाबदोश प्रकृति के कारण मुख्यधारा से कटा हुआ है और आज भी मूलभूत सुविधाओं व अधिकारों से वंचित है। शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और सामाजिक सुरक्षा जैसी बुनियादी जरूरतों तक उनकी पहुंच बेहद सीमित है। ऐसे में सवाल उठता है कि आज हम आजादी के 80वें साल में तो प्रवेश कर चुके हैं, लेकिन घुमन्तु समाज के कल्याण व उत्थान के लिए कोई ठोस कदम क्यों नहीं उठा पाएं हैं? क्या घुमंतू समाज के उत्थान को ध्यान में रखकर उन्हें सामाजिक और शैक्षिक रूप से अन्य पिछड़ा वर्ग की श्रेणी में शामिल नहीं किया जा सकता? क्या राष्ट्रीय स्तर के कॉमन आइडेंटिटी कार्ड नहीं बनाया जा सकता? क्या उनके लिए प्रत्येक तहसील स्तर पर धर्मशाला जैसी अस्थायी आवास सुविधा का निर्माण नहीं किया जा सकता? ये केवल सवाल ही नहीं जवाब और सुझाव भी हैं, जिन पर केंद्र व राज्य सरकारें अमल करके, देश की लगभग 10 फीसदी आबादी को मुख्यधारा में जोड़ सकती हैं।

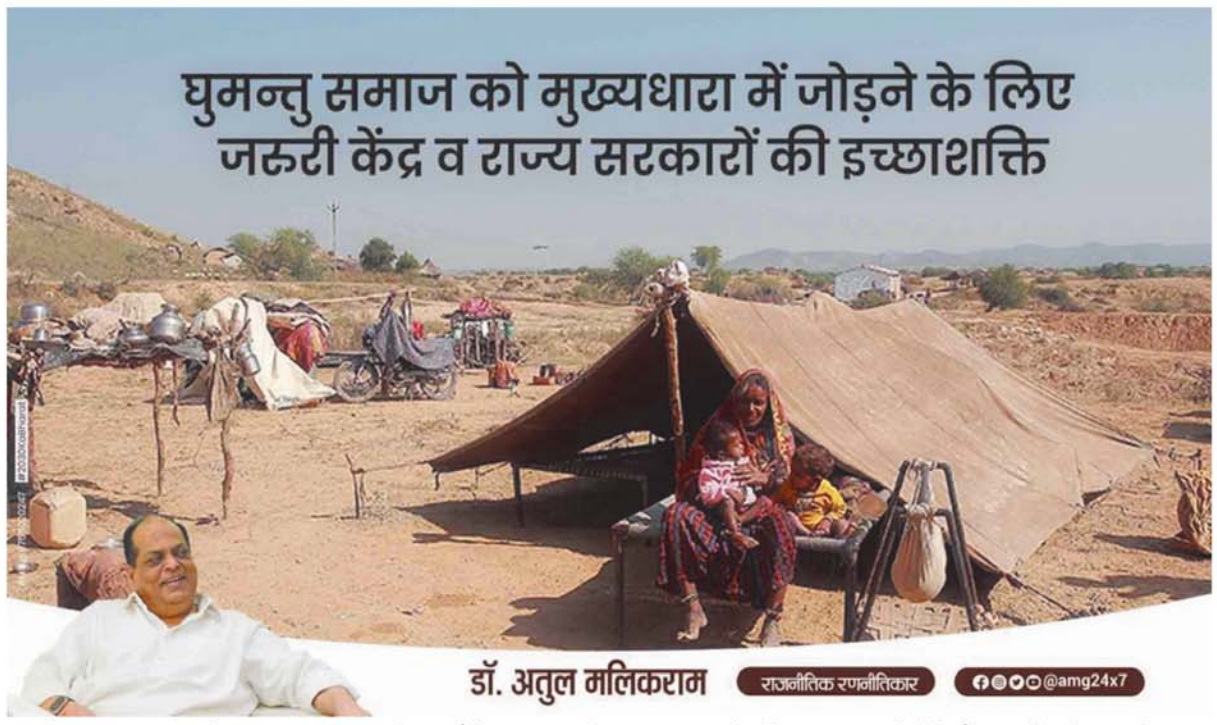

कई राज्यों में घुमन्तु समुदाय को लेकर बोर्ड का गठन किया गया है, सबसे अधिक जनसंख्या के लिहाज से मध्य प्रदेश जैसे राज्य में तो अलग मंत्रालय भी हैं लेकिन घुमंतुओं का जीवन स्तर जस का तस है। जन्म से ही आपराधिक प्रवत्ति का घोषित कर दिए गए इस समाज के उत्थान को लेकर अब तक की सभी सरकारों ने जो कदम उठाएं हैं उसकी बानगी घुमंतुओं की वर्तमान परिस्थिति में साफ़ झलकता है। ये समुदाय, जिनमें बंजारा, गडिया लोहार जैसे अन्य कई शामिल हैं, अपनी आजीविका के लिए कई तरह के पारम्परिक व्यवसायों पर निर्भर रहता है, लेकिन आधुनिकरण और शहरीकरण ने अब उनकी आजीविका को भी खतरे में डाल दिया है। कुछ मीडिया रिपोर्ट्स बताती हैं कि कई बार तो उन्हें अपने मृत परिजनों का अंतिम संस्कार करने तक की जगह नहीं मिलती क्योंकि जिस गाँव या इलाके से वह गुजर रहे होते हैं वहां के लोग उनके साथ अछूतों जैसा व्यवहार करते हैं, ऐसे में उनके साथ हमारा समाज मानवता का कितना परिचय देता होगा, समझा जा सकता है। हालाँकि यह दुखद आंकड़े ही हमें उनके बेहतर भविष्य की दिशा में काम करने के लिए प्रेरित भी करते हैं।

मेरे सुझाव में घुमंतू समाज को सामाजिक और शैक्षिक रूप से ओबीसी की श्रेणी में शामिल किया जाना चाहिए। यह कदम उन्हें सरकारी योजनाओं, आरक्षण, और अन्य लाभों तक पहुंच प्रदान करेगा। यह न केवल उनकी गरिमा को बढ़ाएगा, बल्कि उन्हें समाज की मुख्यधारा में शामिल होने का अवसर भी देगा। दूसरा उपाय उन्हें एक राष्ट्रीय स्तर के कॉमन आइडेंटिटी कार्ड से जोड़कर किया जा सकता है। यह कार्ड घुमंतू समाज के लिए किसी गेम चेंजर से कम नहीं होगा। उनकी लोकतांत्रिक भागीदारी बढ़ाने के लिए यह कार्ड उन्हें कहीं से भी मतदान करने, राशन लेने, बच्चों को स्कूल भेजने, अस्पतालों में स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ लेने और रोजगार के अवसरों को अपनाने में सक्षम बनाना सुनिश्चित कर सकता है। कम शब्दों में समझें तो यह कार्ड उनकी पहचान को एकजुट करेगा और उनके अधिकारों को सुरक्षित करेगा, चाहे वे कहीं भी हों।

इसके अलावा, राज्यों में तहसील स्तर पर धर्मशाला जैसी अस्थायी आवास सुविधा का निर्माण भी किया जा सकता है। इन स्थानों पर स्वच्छता, पेयजल, बिजली और सुरक्षा जैसी आधारभूत सुविधाएं उपलब्ध कराई जा सकती हैं। यह न केवल उनके जीवन को सम्मानजनक बनाएगा, बल्कि उनकी घुमक्कड़ी प्रकृति को भी संरक्षित रखेगा।

हमें एक आदर्श समाज का उदाहरण बनते हुए यह नहीं भूलना चाहिए कि घुमंतू समाज भारत की सांस्कृतिक धरोहर का एक जीवंत हिस्सा है। उनकी अनूठी जीवनशैली को सम्मान देते हुए, हमें उन्हें मुख्यधारा में शामिल करने के लिए ठोस कदम उठाने होंगे। केंद्र सरकार के नेतृत्व में भारत ने सामाजिक समावेशन के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की है। निश्चित तौर पर इन सुझावों को लागू कर के, घुमंतू समाज का जीवन स्तर बेहतर किया जा सकता है और भारत के समावेशी विकास के सपने को और मजबूती दी जा सकती है।

कोहड़िया जनसुनवाई में स्पंज आयरन फैक्ट्री का विरोध जताया पूर्व विधायक आशीष छाबड़ा

बेमेतरा/मूक पत्रिका

जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष एवं पूर्व विधायक आशीष छाबड़ा ने बेमेतरा विधानसभा क्षेत्र के ग्राम कोहड़िया में प्रस्तावित निजी क्षेत्र के स्पंज आयरन फैक्ट्री मेसर्स बृजेश स्टील प्राइवेट लिमिटेडखोले जाने का जनसुनवाई में पहुंचकर विरोध व्यक्त किया इस अवसर पर पूर्व विधायक ने कहा कि ग्राम को कोहडिया में जनसुनवाई का औचित्य ही नहीं है ग्राम पंचायत के द्वारा किसी भी प्रकार से अनापत्ति प्रमाण पत्र नहीं दिया गया है ऐसे में शासन प्रशासन क्षेत्र में निजी क्षेत्र को लाभ पहुंचाने के नियत से स्पंज आयरन फैक्ट्री खुलवाना चाहता है जिसका जिला कांग्रेस कमेटी विरोध करती है इस उद्योग के लगने से क्षेत्र के लोगों को किसी प्रकार से लाभ नहीं है सिर्फ हानी के पूरा क्षेत्र कार्बन डाइऑक्साइड और सिल्का के प्रदूषण से भर जाएगा तथा स्पंज आयरन उद्योग को बेमेतरा विधानसभा क्षेत्र के लिए घातक बताया पूर्व विधायक आशीष छाबड़ा ने कहा कि कृषि प्रधान क्षेत्र में

भाजपा सरकार स्पंज आयरन फैक्ट्री खोल के यहां के किसानों को किसानी से दूर करना चाहती है आशीष छाबड़ा ने कहा कि हमारा विरोध ऐसे कल कारखानों को लेकर है जिससे बेमेतरा की जलवायु प्रदूषित होती हो जिसका प्रभाव यहां के जनमानस के स्वास्थ्य पर पढ़ता है क्षेत्र के नौजवान साथियों पर पड़ता हो हम ऐसे सभी प्रदूषण फैलाने वाले कल कारखानों का विरोध करेंगे अगर क्षेत्र में कृषि से संबंधित उद्योगों की स्थापना होती है तो इसका स्वागत है हमें भी मालूम है कि कल कारखाने लोगों के विकास और रोजगार के लिए आवश्यक है किंतु ऐसे कल कारखाने नहीं जो लोगों के लिए जीना दूभर कर दें बेमेतरा जिला एक कृषि प्रधान जिला है बेमेतरा जिले में फूड प्रोसेसिंग तथा कृषि से संबंधित अन्य उद्योगों को लगाने के लिए उचित वातावरण इस जिले में है ऐसे में यहां के हरियाली को बर्बाद करना अन्नदाताओं को उनके मूल रोजगार किसानी से दूर करना किसी भी प्रकार से उचित नहीं कहा जा सकता इस अवसर पर ललित विश्वकर्मा महामंत्री जिला कांग्रेस कमेटी बेमेतरा शुभम वर्मा उपाध्यक्ष जनपद पंचायत बेरला मोनल सिन्हा मनोज शर्मा प्रांजल तिवारी चंदू यादव सिद्दिक खान रामस्वरूप नायक रवि साहू निहाल परगनिहा सुमित राजपूत डॉ शिशिर शर्मा मेहतर साहू जितेन्द्र जोशी ऋतिक तिवारी बबली सोनवानी सहित आस पास के सैकड़ो की संख्या में ग्रामवासी उपस्थित रहे।

गृह मंत्रालय के निर्देशानुसार CISF इकाई BIOM किरंदुल एंटी-ड्रग्स जागरूकता अभियान का आयोजन किया गया

किरंदुल/मूक पत्रिका

अभियान का उद्देश्य युवाओं, छात्रों और श्रमिक वर्ग को नशीले पदार्थों से होने वाले दुष्प्रभावों से अवगत कराना तथा समाज में नशा-मुक्त वातावरण का निर्माण करना रहा। कार्यक्रम की शुरुआत ष्ट्ढुस्न्न अधिकारियों के मार्गदर्शन में की गई, जिसमें केंद्रीय विद्यालय, किरंदुल के छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस अवसर पर ष्ट्ढुस्न्न अधिकारियों एवं जवानों ने विद्यार्थियों को नशे के खतरों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्हें बताया गया कि नशीले पदार्थों का सेवन शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव डालता है, पारिवारिक जीवन को प्रभावित करता है और समाज की प्रगति में बाधा बनता है। विद्यार्थियों को नशे से दूर रहने, खेलकूद और रचनात्मक गतिविधियों में भाग लेने तथा अपने परिवार और समाज में जागरूकता फैलाने का संदेश दिया गया। अभियान को केवल विद्यालय तक सीमित न रखते हुए इसे कार्यस्थल स्तर तक भी विस्तारित किया गया। हस्ष्ष्ट प्रोजेक्ट माइनिंग में कार्यरत श्रमिकों को ष्ट्ढुस्न्न कर्मियों ने संबोधित किया और नशे के खतरों के बारे में समझाया। उन्हें बताया गया कि नशीले पदार्थों का सेवन न केवल स्वास्थ्य और कार्यक्षमता को प्रभावित करता है बल्कि यह दुर्घटनाओं, पारिवारिक तनाव और आर्थिक कठिनाइयों का भी कारण बन सकता है। श्रमिकों से नशा छोड़कर स्वस्थ जीवनशैली अपनाने और दूसरों को भी प्रेरित करने का आह्वान किया गया। ष्ट्ढुस्न्न अधिकारियों ने इस अवसर पर कहा कि नशा उन्मूलन केवल किसी एक संस्था का कार्य नहीं है, बल्कि इसमें पूरे समाज की सहभागिता आवश्यक है। विद्यार्थी, शिक्षक, अभिभावक और श्रमिक वर्ग मिलकर प्रयास करें तो नशा-मुक्त समाज का निर्माण किया जा सकता है। युवाओं से अपील की गई कि वे नशे की लत को ÷ना÷ कहें और अपने भविष्य को सुरक्षित बनाएं। कार्यक्रम का समापन छात्रों और श्रमिकों को नशा-मुक्त जीवन जीने और समाज में जागरूकता फैलाने की शपथ दिलाकर किया गया।

रेलवे द्वारा वार्ड क्रमांक 23 शिव नगर के मार्ग को बंद किए जाने के आदेश के विरोध में नगर पालिका अध्यक्ष ने केंद्रीय राज्य मंत्री व डीआरएम को पत्र लिखा

जांजगीर चांपा/मूक पत्रिका

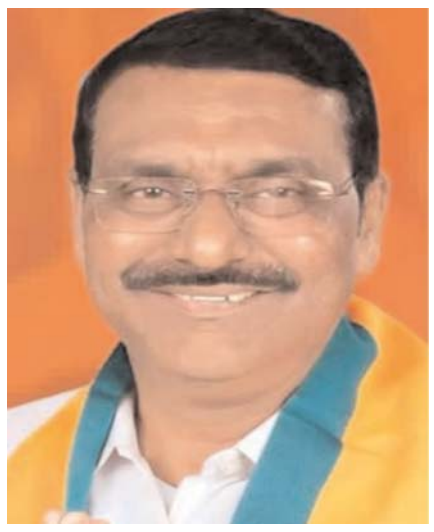

नगर पालिका परिषद चांपा के अध्यक्ष प्रदीप नामदेव ने वार्ड क्रमांक 23 शिव नगर के आम रास्ते को रेलवे विभाग द्वारा बंद किए जाने के विरोध में कदम उठाया है। इस संबंध में उन्होंने केंद्रीय राज्य मंत्री तोखन साहू एवं दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के मंडल रेल प्रबंधक, बिलासपुर को पत्र लिखकर निवेदन किया है कि उक्त मार्ग को बंद न किया जाए। पत्र में उल्लेख किया गया है कि शिव नगर क्षेत्र के नागरिकों के लिए यह एकमात्र आम रास्ता है, जिसका उपयोग लोग वर्षों से कर रहे हैं। इसी रास्ते से स्कूल बस, एंबुलेंस, गैस

सिलेंडर वाहन, दूध वाहन सहित अन्य आवश्यक सेवाएं नियमित रूप से संचालित होती हैं। यदि इस मार्ग को बंद कर दिया गया तो आम नागरिकों को भारी असुविधा होगी और गंभीर समस्या उत्पन्न हो सकती है।

अध्यक्ष नामदेव ने पत्र के माध्यम से अनुरोध किया है कि नागरिकों की इस समस्या को ध्यान में रखते हुए रेलवे विभाग रास्ते को बंद न करे और लोगों को पूर्ववत् इस मार्ग का उपयोग करने की अनुमति प्रदान करे। यह पत्र प्रेषित किए जाने से शिव नगर के नागरिकों में उम्मीद जगी है कि उनकी समस्या का समाधान शीघ्र होगा।

महिला समूहों के लिए आर्थिक सशक्ति करण की नई मिसाल - नपा अध्यक्ष सिन्हा

बेमेतरा में साहेब जी कैन्टीन का भव्य शुभारंभ

बेमेतरा/मूक पत्रिका

बीते गुरुवार को जिले के कलेक्टर कार्यालय परिसर में साहेब जी कैन्टीन का भव्य शुभारंभ हुआ। इस अवसर पर नपा अध्यक्ष विजय सिन्हा ने उपस्थित होकर समूह की बहनों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि यह पहल महिलाओं की आत्मनिर्भरता और स्वावलंबन की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। कार्यक्रम में जिला कलेक्टर रणवीर शर्मा, पुलिस अधीक्षक रामकृष्ण साहू, भाजपा जिलाध्यक्ष अजय साहू, श्रीमती ललिता साहू सहित अनेक जनप्रतिनिधि, कार्यकर्ता एवं

समाजजन शामिल हुए। यह कैन्टीन न केवल आम नागरिकों को भोजन की सुविधा प्रदान करेगी, बल्कि महिला समूहों के लिए आर्थिक सशक्तिकरण की नई मिसाल भी बनेगी।

महिला नगर सैनिकों की भर्ती परिणाम घोषित, चयनित अभ्यर्थियों को 1 से 10 सितम्बर तक ज्वाइनिंग के अवसर

बेमेतरा/मूक पत्रिका

जिला बेमेतरा में बालिका आश्रम एवं छात्रावासों की सुरक्षा हेतु महिला नगर सैनिकों की भर्ती प्रक्रिया पूर्ण कर ली गई है। जिला सेनानी एवं जिला अग्निशमन अधिकारी नगर सेना कार्यालय से मिली जानकारी के अनुसार 09 अगस्त 2025 को आयोजित भर्ती चयन प्रक्रिया के परिणाम घोषित कर दिए गए हैं। चयन सूची एवं प्रतीक्षा सूची विभागीय वेबसाइट http-sÑ//www.cghgcd.gov.in तथा httpsÑ//firenoc.cg.gov.in पर अपलोड कर दी गई है। चयनित महिला नगर सैनिकों सहित पुरुष नगर सैनिक (जनरल ड्यूटी) अभ्यर्थियों को निर्देश दिए गए हैं कि वे 01 सितम्बर 2025 से 10 सितम्बर 2025 के बीच कार्यालयीन समय में ज्वाइनिंग सुनिश्चित करें। अभ्यर्थियों को अपने साथ समस्त मूल दस्तावेज़ एवं एक-एक सेट छायाप्रति लाना अनिवार्य होगा। भर्ती प्रक्रिया के तहत शैक्षणिक योग्यता प्रमाण पत्र की मूल प्रति एवं छायाप्रति प्रस्तुत करना होगा। चिकित्सकीय परीक्षण एवं पुलिस चरित्र सत्यापन अनिवार्य है। यदि इनमें अयोग्य पाए जाते हैं तो सेवा से पृथक कर दिया जाएगा। इस संबंध में जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि चयनित सभी अभ्यर्थियों को समयसीमा के भीतर अनिवार्य रूप से ज्वाइनिंग करनी होगी, अन्यथा उनकी उम्मीदवारी निरस्त मानी जाएगी।

सीएससी संचालकों द्वारा श्रमिकों से अधिक शुल्क वसूली पर सख्ती, निर्धारित सीमा से अधिक शुल्क लेने पर होगी कार्रवाई

बेमेतरा/मूक पत्रिका

श्रम विभाग, छत्तीसगढ़ शासन ने स्पष्ट निर्देश जारी किए हैं कि श्रमिकों से पंजीयन एवं योजना आवेदन के लिए कॉमन सर्विस सेंटर (ष्टस्ष्ट) संचालक केवल निर्धारित शुल्क ही वसूल करें। हाल ही में प्राप्त शिकायतों के आधार पर पाया गया कि कुछ ष्टस्ष्ट संचालक 1000 से 1500 रुपये तक वसूल रहे हैं, जबकि मंडल द्वारा अधिकतम 20 से 30 रुपये शुल्क निर्धारित है। जारी आदेश में कहा गया है कि सभी ष्टस्ष्ट संचालकों को पंजीयन/योजना हेतु निर्धारित शुल्क की सूचना बोर्ड पर प्रदर्शित करनी होगी। श्रमिकों से केवल निर्धारित शुल्क ही लिया जाए, अधिक शुल्क लेने पर जांच कर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। इसी तरह समय-समय पर मंडल स्तर से निगरानी की जाएगी। शिकायत मिलने पर संबंधित ष्टस्ष्ट संचालक पर विधिसम्मत कार्रवाई होगी। जिला स्तर पर कलेक्टर महोदय के संज्ञान में मामला लाकर कठोर कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। ष्टस्ष्ट संचालकों एवं ई-डिस्ट्रिक्ट मैनेजर के साथ नियमित बैठकें आयोजित की जाएंगी। पोर्टल पर दर्ज पंजीयन एवं आवेदन की स्वीकृति/निरस्तीकरण की जानकारी भी रेंडम आधार पर जांची जाएगी। पंजीयन एवं योजना आवेदन की स्थिति से जुड़ी शिकायतों का त्वरित निराकरण होगा। श्रमिकों/हितग्राहियों को ÷श्रमेव जयते÷ मोबाइल एप के माध्यम से जागरूक किया जाएगा। सभी श्रम कार्यालयों एवं श्रम संस्थानों से श्रमिकों को ऑनलाइन पंजीयन एवं आवेदन की प्रक्रिया की जानकारी दी जाएगी। श्रमायुक्त कार्यालय ने साफ किया है कि श्रमिकों के हितों की रक्षा एवं पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए तय सीमा से अधिक शुल्क लेने वाले ष्टस्ष्ट संचालकों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

एनएचएम कर्मचारियों की हड़ताल के तीसरे दिन निकाली महारैली किया प्रदर्शन

- धरना स्थल से पुराना बस स्टैंड होते हुए घड़ी चौक सेन चौक होते हुए कलेक्ट्रेट पहुंच मुख्यमंत्री के नाम सौंपा ज्ञापन

कांकेर /मूक पत्रिका

:- उत्तर बस्तर कांकेर में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के कर्मचारी अपनी 10 सूत्रीय मांगों को लेकर अनिश्चितकालीन हड़ताल पर चले गए हैं। प्रदेशभर के लगभग 16,000 कर्मचारी तथा कांकेर जिले के करीब 655 स्वास्थ्यकर्मी हड़ताल में शामिल हैं। आंदोलन के चलते प्रदेश की क स्वास्थ्य व्यवस्था बुरी तरह प्रभावित हो गई है। हड़ताल के तीसरे दिन एनएचएम के स्वास्थ्य कर्मियों के द्वारा धरना स्थल से पुराना बस स्टैंड होते हुए घड़ी-चौक सेन

चौक होते हुए कलेक्ट्रेट पहुंच कर जुलुस निकलते हुए मोदी की गारंटी को पूर्ण करने की मांग कि गई तथा मुख्यमंत्री के नाम जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा गया। धरना स्थल में एनएचएम कर्मियों ने कहा जब तक कर्मचारियों की मांगें पूरी नहीं होंगी, आंदोलन जारी रहेगा। 10 सूत्रीय कर्मचारियों की मुख्य माँगें इस प्रकार है नियमितीकरण/सिविलियन ग्रेड पे लागू करना पब्लिक हेल्थ कैडर की स्थापना 27 लंबित वेतनवृद्धि का आदेश जारी करना मेडिकल अवकाश एवं अन्य स्वीकृत लाभों को लागू करना सहित 10 सूत्रीय माँग हैं। कई बार मुख्यमंत्री स्वास्थ्य मंत्री और वरिष्ठ अधिकारियों से मुलाकात कर कर्मचारियों ने अपनी जायज मांगें रखीं ।

जंगल के रास्ते से पशु तस्करी करते एक तस्कर गिरफ्तार, 45 भैंसें बरामद

बीजापुर /मूक पत्रिका

(आशीष पदमवार) - तारलागुड़ा थाना पुलिस ने बुधवार को बड़ी कार्रवाई करते हुए जंगल के रास्ते से तेलंगाना की ओर कृषिक पशुओं की तस्करी कर रहे एक तस्कर को गिरफ्तार कर 45 नग भैंसों को बरामद किया। यह कार्रवाई मुखबिर से मिली गुप्त सूचना पर की गई।सूचना मिली थी कि मवेशी तस्कर रात्रि में नया तारलागुड़ा जंगल पहाड़ी मार्ग से कृषिक पशुओं को हांककर तेलंगाना की ओर ले जा रहे हैं। पुलिस ने तत्काल घेराबंदी कर एक आरोपी को मौके पर पकड़ा।गिरफ्तार आरोपी की पहचान के.जी. सन्यासी पिता स्व. के.जी. पोचा, उम्र 56 वर्ष, जाति महार, निवासी रूद्रारम, थाना भोपालपटनम, जिला बीजापुर (छत्तीसगढ़) के रूप में हुई। पूछताछ के दौरान आरोपी के पास से पशुओं

के स्वामित्व संबंधी कोई वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किए जा सके।मौके पर गवाहों की मौजूदगी में कुल 45 नग भैंसों को बरामद कर ग्राम पंचायत तारलागुड़ा के सरपंच एवं सचिव की सुपुर्दगी में दे दिया गया।पकड़े गए आरोपी के विरुद्ध छत्तीसगढ़ कृषिक पशु परिरक्षण अधिनियम 2004 एवं पशु क्रूरता निवारण अधिनियम 1960 के तहत अपराध दर्ज कर न्यायिक रिमांड पर न्यायालय में पेश किया गया।

अब तक 13 तस्कर गिरफ्तार, 234 पशु मुक्त-पुलिस ने बताया कि बीते दिनों की लगातार कार्रवाइयों में अब तक कुल 13 पशु तस्करों को गिरफ्तार किया गया है तथा 234 नग कृषिक पशुओं को तस्करों के कब्जे से मुक्त कराया गया है। सीमावर्ती एवं ग्रामीण क्षेत्रों में सक्रिय ऐसे तस्करी नेटवर्क पर पुलिस की सख्त निगरानी जारी है और आगे भी इसी तरह की कार्रवाई की जाएगी।

रजत जयंती वर्ष 2025-बालिकाओं के लिए जागरूकता और प्रतियोगिताएं

कलेक्टर शर्मा के मार्गदर्शन में 'बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ' योजना अंतर्गत विविध कार्यक्रम आयोजित

बेमेतरा/मूक पत्रिका

रजत जयंती वर्ष 2025 के प्रस्तावित गतिविधियों के अंतर्गत महिला सशक्तिकरण केन्द्र (हब) द्वारा 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' योजना के तहत शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, कुसमी (परियोजना-बेरला) में एक दिवसीय विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम जिला कलेक्टर रणबीर शर्मा के मार्गदर्शन तथा जिला कार्यक्रम अधिकारी, महिला एवं बाल विकास विभाग, चन्द्रबेश सिंह सिसोदिया के निर्देशन में सम्पन्न हुआ।

बालिकाओं के लिए जागरूकता और प्रतियोगिताएं-कार्यक्रम के दौरान छात्राओं के लिए साइबर जागरूकता सत्र, कैरियर काउंसलिंग, निबंध लेखन, चित्रकला, रंगोली एवं वॉलीबॉल प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। छात्राओं को बताया गया कि जीवन में सही समय पर लिया गया निर्णय ही सफलता की कुंजी है, इसलिए अभी से लक्ष्य निर्धारित कर उचित मार्गदर्शन प्राप्त करना अत्यंत

आवश्यक है। प्रतियोगिताओं में छात्राओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। विजेता छात्राओं को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया 7 निबंध प्रतियोगिता मे प्रथम स्थान जया साहू, द्वितीय लीना धीवर, तृतीय अनामिका साहू को प्राप्त हुआ 7 रंगोली प्रतियोगिता मे प्रथम स्थान झलक व टिकेश्वरी, द्वितीय हेमा व दामिनी, तृतीय तीर्थ निषाद व कनक। चित्रकला प्रतियोगिता मे प्रथम स्थान द्विष्टि ध्रुव, द्वितीय यमुना सेवक, तृतीय रिद्धि।वॉलीबॉल प्रतियोगिता मे विजेता एवं उपविजेता टीम को भी प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।

25 वर्षों की उपलब्धियां और जागरूकता सत्र-इस अवसर पर छात्राओं को छत्तीसगढ़ राज्य की पिछले 25 वर्षों की उपलब्धियों से अवगत कराया गया। साथ ही विभागीय योजनाओं की जानकारी, स्वास्थ्य एवं पोषण, बालिकाओं की सुरक्षा, कानूनी अधिकार, साइबर क्राइम और ऑनलाइन फ्रॉड से बचाव, व्यक्तिगत जानकारी की सुरक्षा, माहवारी स्वच्छता, सोशल मीडिया पर सावधानियां, गुड टच-बैड टच, बाल संरक्षण संबंधी प्रावधान, चाइल्ड लाइन 1098 और महिला हेल्पलाइन 181 जैसे विषयों पर विस्तारपूर्वक मार्गदर्शन दिया गया। कार्यक्रम में परियोजना अधिकारी डॉ. विद्यानंद बोरकर, प्राचार्य ठाकुर सर, प्रभारी प्राचार्य डॉ. के. दास, सेक्टर सुपरवाइजर, मिशन शक्ति हब से जिला मिशन समन्वयक राजीव कुमार वर्मा, जेंडर विशेषज्ञ तमन्ना और सेवन्तिका, सखी वन स्टॉप सेंटर प्रशासक राखी यादव, चाइल्ड लाइन से आशीष जायसवाल, व्यायाम शिक्षक भूपेन्द्र वैष्णव, आत्मरक्षा प्रशिक्षक भानुप्रसाद साहू सहित विद्यालय के शिक्षकगण और छात्र-छात्राएं बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। *इस तरह रजत जयंती वर्ष के अंतर्गत आयोजित यह कार्यक्रम बालिकाओं के आत्मविश्वास, जागरूकता और सशक्तिकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल साबित हुआ।

संक्षिप्त समाचार

प्रतिभा को पंख देने प्रेस क्लब रतनपुर करेगा दो दिवसीय सम्मान समारोह का आयोजन

रतनपुर। हिंदी भाषा की गरिमा और स्थानीय प्रतिभाओं को मंच देने की पहल करते हुए प्रेस क्लब रतनपुर द्वारा आगामी 13 व 14 सितंबर को प्रतिभा सम्मान समारोह का भव्य आयोजन किया जाएगा। इस आशय की घोषणा आज रतनपुर पीडब्ल्यूडी रेस्ट हाउस में आयोजित प्रेस क्लब की बैठक में की गई। बैठक की अध्यक्षता प्रेस क्लब रतनपुर के अध्यक्ष रवि ठाकुर ने की। उन्होंने बताया कि यह आयोजन हिंदी दिवस के उपलक्ष्य में किया जा रहा है, जिसका उद्देश्य रतनपुर व आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में छिपी प्रतिभाओं को पहचान देना और उनका मनोबल बढ़ाना है।इस दो दिवसीय समारोह में शिक्षा, खेलकूद, सांस्कृतिक गतिविधियाँ, साहित्य, सामाजिक सेवा, नवाचार, और अन्य रचनात्मक क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं, युवाओं और नागरिकों को विशेष रूप से सम्मानित किया जाएगा।अध्यक्ष रवि ठाकुर ने कहा ग्रामीण प्रतिभाओं को अक्सर उचित मंच नहीं मिल पाता। प्रेस क्लब रतनपुर का प्रयास है कि ऐसे होनहारों को पहचान दिलाई जाए और उन्हें समाज के सामने लाया जाए, ताकि वे आगे और बेहतर कर सकें। यह सम्मान समारोह उनके लिए प्रोत्साहन की नई उड़ान होगा।कार्यक्रम की तैयारी को लेकर आयोजन समिति का गठन भी किया गया है, जिसमें सभी सदस्यों को अलग-अलग जिम्मेदारियाँ सौंपी गई हैं। आयोजन में रतनपुर के गणमान्य नागरिक, समाजसेवी, पत्रकार, शिक्षक, जनप्रतिनिधि सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहेंगे।

राजपुर कॉलेज में गूंजे- वोट चोरी बंद करो के नारे

राजपुर (बलरामपुर)। राजपुर महाविद्यालय में एनएसयूआई ने छात्र नेता आदित्य विभु जायसवाल के नेतृत्व में पोस्टकार्ड अभियान चलाया। यह अभियान भाजपा सरकार और चुनाव आयोग के खिलाफ वोट चोरी के विरोध में आयोजित किया गया।कार्यक्रम में बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं और कार्यकर्ताओं ने हिस्सा लिया। सभी ने चुनाव आयोग को संबोधित पोस्टकार्ड लिखकर यह मांग की कि तुरंत डिजिटल वोटर लिस्ट प्रकाशित की जाए और फर्जी वोटरों के जरिए हो रही धांधली पर रोक लगाई जाए। इस अवसर पर छात्र नेता आदित्य विभु जायसवाल ने कहा भाजपा की सरकार और चुनाव आयोग की मिलीभगत से चुनाव में वोट चोरी की घटनाएं हो रही हैं। फर्जी वोटरों के जरिए जनता के अधिकार छीनकर सरकार बनाई जा रही है। यह लोकतंत्र और संविधान दोनों के साथ विश्वासघात है। एनएसयूआई कार्यकर्ताओं ने नारे लगाकर भी अपना विरोध जताया।वोट चोरी बंद करो, डिजिटल वोटर लिस्ट जारी करो जैसे नारों से परिसर गूंज उठा। एनएसयूआई ने चेतावनी दी है कि यदि चुनाव आयोग ने पारदर्शिता सुनिश्चित नहीं की तो इस आंदोलन को और भी व्यापक स्तर पर पूरे जिले और प्रदेश में चलाया जाएगा इस दौरान ब्लॉक अध्यक्ष नितिन गुप्ता, पूजा सिंह,सूर्यकांत रवि,पंकज ठाकुर, लाल यादव, विशाल, सुखसागर , उत्कर्ष तिवारी ,आदि कार्यकर्ता मौजूद थे

संक्रामक बीमारी उल्टी-दस्त से दो ग्रामीण की अकाल मौत

कोरबा। जिले की सीमा क्षेत्र एवं पोड़ी उपरोड़ा ब्लाक अंतर्गत ग्राम पाली के दर्री पारा मोहल्ले में एक सप्ताह पूर्व फैली संक्रामक बीमारी उल्टी-दस्त से दो ग्रामीणों की अकाल मौत हो गई। महिला एवं पुरुष-बच्चे लगभग 1 दर्जन लोगों को आनन-फानन में इलाज के लिए पोड़ी उपरोड़ा भेजा गया था, जिन्हें 5 दिन बाद छुट्टी दे दी गई। हमारे सहयोगी ने घटनास्थल पर पहुंच कर उल्टी-दस्त से पीड़ित ग्रामीण से जानकारी एकत्र कर बताया कि दूरस्थ वनांचल ग्राम पाली दर्री पारा में बीमारी से ग्रसित ग्रामीणों ने बताया कि वहां उल्टी-दस्त का संक्रमण फैलने के पूर्व मौसमी बीमारियों के लिए स्वास्थ्य विभाग ने किसी भी प्रकार की स्वास्थ्य कैम्प नहीं लगाया था।, ना ही विभाग की गाइडलाइन अनुसार दूरस्थ वनांचल ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य विभाग के फील्ड वर्करों ने जरूरी समुचित दवाइयों का वितरण किया था। ग्रामीण जानकारी के अभाव में अपने स्वयं के खर्चे से सीमावर्ती एमसीबी जिले में जाकर इलाज कराना जरूरी समझा।संक्रामक बीमारी के फैलने के दो दिन बाद इस जानलेवा संक्रमित बीमारी से पीड़ित ग्रामीणो ने स्थानीय सरपंच को घटने के बारे में अवगत कराया, तत्पश्चात स्वास्थ्य विभाग को सूचना मिलने के बाद विभाग अपने कुंभकर्णी नींद से जागा। जब टीम हरकत में आई तब तक समय पर इलाज के अभाव में संपत्त सिंह पिता सुखराज सिंह कुसरो 60 वर्ष की अकाल मृत्यु हो गई। देखते ही देखते स्कूली बच्चे एवं महिलाओं को भी उल्टी-दस्त शुरू हो गया जिसमें गनपत सुकरिया बाई 50 वर्ष,राम लाल देवशनिया 60 वर्ष,मान सिंह25 ,नीरा बाई सोहन 16 वर्ष, पार्वती, सावित्री, राजु ,हिरमतिया ज्ञान सिंह 27 वर्ष , काजल रुप सिंह, तिलेश्वर एवं अन्य ग्रामीणों का पोड़ी उपरोड़ा में उपचार चल रहा था कि 5 दिन बाद इतवार पिता बाबू लाल गोड़ की अकाल मृत्यु हो गई।

पहले दिन के खेल में बस्तर संभाग का दबदबा

उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने एकलव्य स्कूलों के राज्य स्तरीय खेल प्रतियोगिताओं का किया शुभारंभ

बिलासपुर। उप मुख्यमंत्री एवं जिले के प्रभारी मंत्री श्री अरुण साव ने एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालयों की राज्य स्तरीय क्रीड़ा प्रतियोगिता का बहतराई स्टेडियम में शुभारंभ किया। आदिम जाति तथा अनुसूचित जनजाति विकास विभाग द्वारा एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालयों की राज्य स्तरीय क्रीड़ा प्रतियोगिता का दो दिवसीय आयोजन बिलासपुर में दिनांक 19 एवं 20 अगस्त को किया जा रहा है। प्रतियोगिता में प्रदेशभर के एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालयों के छात्र एवं छात्राएं भाग ले रहे हैं। बिल्हा विधायक श्री धरम लाल कौशिक ने खेलों के शुभारम्भ कार्यक्रम की अध्यक्षता की। उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव ने खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 'खेलो इंडिया' के तहत पूरे देश में खेल के लिए जो माहौल बनाया है और मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के सुशासन में खिलाड़ियों को जो सुविधाएं मिल रही हैं, उससे पूरे प्रदेश में खेलों के प्रति सकारात्मक माहौल बना है। हमने फिर से खेल अलंकरण शुरू किया है जिससे हमारे खिलाड़ियों का मनोबल बढ़ा है। श्री साव ने खिलाड़ियों से कहा कि आप लोग जिस लगन के साथ खेलों में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर रहे हैं, निश्चित रूप से आने वाले समय में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपना और प्रदेश का नाम रोशन करेंगे। मैं आपको विश्वास दिलाना चाहता हूं कि हमारी सरकार आपको हरसंभव सुविधाएं मुहैया कराएगी। आपको खूब खेलना है, खूब पढ़ना है और खूब आगे बढ़ना है।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे बिल्हा विधायक श्री धरमलाल कौशिक ने कहा कि अनुकूल परिस्थितियों में तो सभी अपना पराक्रम दिखाते हैं। विपरीत परिस्थितियों से जो लड़कर जीतता है वही सच्चा खिलाड़ी होता है। आपके अंदर जो जज्बा मुझे दिखाई दे रहा है वह एक सच्चे खिलाड़ी का जज्बा है और इस जज्बे को हमेशा बनाए रखिए। खेल के क्षेत्र में अपना, अपने परिवार का, प्रदेश और देश का नाम रोशन करें। एकलव्य विद्यालयों की इस दो दिवसीय राज्य स्तरीय क्रीड़ा प्रतियोगिता में तीरंदाजी, एथलेटिक्स, बैडमिंटन, मुक्केबाजी, शतरंज, जूडो, टेनिस, तैराकी, टेबल टेनिस, ताइक्वांडो, वेटलिफ्टिंग, कुश्ती, योग, बास्केटबॉल, फुटबॉल, हैंडबॉल, हॉकी, कबड्डी, खो-खो और वालीबॉल की स्पर्धाएं होंगी। कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल ने अपने स्वागत भाषण में बताया कि प्रदेश में 75 एकलव्य आवासीय विद्यालयों से लगभग 1500 प्रतिभागी, 250 प्रशिक्षक एवं शिक्षक इस प्रतियोगिता में भाग ले रहें हैं।

सोशल मीडिया पर हथियार लहराते फोटो डालना युवक को पड़ा महंगा

■ गौरेला थाना द्वारा आर्म्स एक्ट के तहत त्वरित कार्यवाही

गौरेला-पेंड्रा-मरवाही पुलिस की सोशल मीडिया मॉनिटरिंग सेल निरंतर ऑनलाइन गतिविधियों पर पैनी नजर रख रही है। इसी क्रम में दिनांक 19.08.2025 को एक युवक द्वारा हाथ में तलवार लेकर सोशल मीडिया (इंस्टाग्राम) पर फेटो अपलोड किया जाना सामने आया। पुलिस अधीक्षक श्री सुरजन राम भगत (भा.पु.से.) के निर्देश परअतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री ओम चंदेल और डीएसपी साइबर दीपक मिश्रा के मार्गदर्शन में थाना गौरेला पुलिस तत्काल सक्रिय हुई। इस कार्यवाही में सजनि अशोक सोनवानी, प्रधान आरक्षक मोहन रजक एवं आरक्षक कौशलेंद्र बघेल की टीम ने आरोपी की पहचान करते हुए उसे हिरासत में लिया। आरोपी का नाम ङ्क अंकित यादव पिता दरयाव यादव, निवासी मंगली बाजार गौरेला है। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि उसने अपने जन्मदिन पर हथियार लेकर फोटो खिंचवाया और इंस्टाग्राम पर अपलोड कर दिया। पुलिस ने आरोपी के पास से लोहे की तलवार जब्त की और उसके विरुद्ध थाना गौरेला में अपराध क्रमांक 227/2025, धारा 25 आर्म्स एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज कर विवेचना में लिया है।

एनएसयूआई नै संत गहिरा गुरु विश्वविद्यालय के कुलपति से सौजन्य भेंट कर विधि संकाय में सीट बढ़ाने की मांग की

अंबिकापुर/एनएसयूआई सरगुजा द्वारा आज संत गहिरा गुरु विश्वविद्यालय के कुलपति से सौजन्य भेंट कर विधि संकाय में सीट बढ़ाने के साथ ही साथ सभी अग्रणी महाविद्यालयों में विधि की कक्षाएं प्रारंभ करने का ज्ञापन सौंपा गया। अम्बिकापुर स्थित राजीव गांधी स्नातकोत्तर महाविद्यालय पूरे संभाग में विधि संकाय की शिक्षा का एकमात्र केंद्र है। यहां इस विषय की 240 सीट थी जिसे घटाकर 120 कर दिया गया है। इससे विधि की पढ़ाई को इच्छुक छात्रों के लिए अवसर सीमित हो गये हैं। सीट बढ़ाने के साथ ही एनएसयूआई ने यह भी मांग रखी है कि सरगुजा संभाग के सभी अग्रणी कॉलेजों में लॉ विषय की पढ़ाई प्रारंभ की जाए, ताकि दूरस्थ अंचलों के विद्यार्थियों को भी नजदीक में विधि शिक्षा का अवसर मिल सके एनएसयूआई सरगुजा ने स्पष्ट किया कि यदि विश्वविद्यालय प्रशासन इस मांग पर शीघ्र निर्णय नहीं लेता है, तो छात्रों के साथ मिलकर आंदोलनात्मक कदम उठाने के लिए बाध्य होना पड़ेगा। एन एस यू आई के प्रतिनिधि मंडल में जिलाध्यक्ष आशीष जायसवाल, विश्वविद्यालय अध्यक्ष सुरेंद्र गुप्ता, धीरज गुप्ता, अंकित जायसवाल, अभिषेक सोनी, राधे अग्रवाल, ऋषभ जायसवाल, अतुल यादव, राधे गोयल, आकाश यादव, अनमोल गोस्वामी, संजर नवाज, गौतम गुप्ता, परमेश्वर भगत, वैभव पांडे, अभिनव काशी आदि शामिल थे।

मांझीनगढ गढमावली माता के दरबार में शनिवार को होगी भादोम जातरा

मूक पत्रिका/ कोंडागांव - जिले के बड़ेराजपुर विकासखंड अंतर्गत आने वाले पठारिय ग्राम खल्लारी मांझीनगढ में वर्षों से चली आ रही परंपरा के अनुसार प्रतिवर्ष की तरह इस वर्ष भी शनिवार को लिंगों मुदिया एवं सोनकुवंर बाबा की अगुवाई में गढमावली याया के दरबार में भादोम जातरा होने वाला है।शनिवार को सुबह से आस पास के गांव से बड़ी संख्या में देवी देवताओं के साथ सम्मिलित होंगे

मांझीनगढ पहाड़ी में खल्लारी और उस क्षेत्र के प्रसिद्ध देवी गढमावली याया विराजमान है।

प्रतिवर्ष भादोम मास के दिन शनिवार को ही यहां जातरा होता है। शनिवार को सुबह जातरा के लिए मांझीनगढ पहाड़ी ओर निकल जाते हैं । इस जातरा में मांझीनगढ पहाड़ी के चारों दिशाओं में निवासरत सभी गांव के लोग अपने-अपने पेन शक्तियों (देवी - देवता) पुरखो को लेकर इस जातरा में सम्मिलित होते हैं। यहां सभी प्रमुख

देवी देवताओं की उपस्थिति होने के बाद देवी देवताओं का परीक्षण होता है। परीक्षण में जो देवी देवता दोषी पाए जाते हैं उन देवी देवताओं को सजा भी दिया जाता है। मानव जीवन में जिस तरह न्याय के लिए अदालत लगती है जहां पर लोगों को सजा सुनाया जाता है ठीक उसी प्रकार वर्ष में एक बार यहां भी देवी देवताओं का अदालत में मुकदमा चलता है और जो देवी देवता दोषी पाया जाता है उनको गढमावली याया साल भर में सुधारने का आश्वासन देता है अत्यधिक गलती किए रहते हैं ऐसे देवी देवताओं को सजा भी सुनाता है। परीक्षण के बाद जो देवी देवता परिवार का और गांव का नहीं होता है ऐसे देवी को खाई के नीचे रवागनी (परित्याग - विसर्जित) किया जाता है। उसके बाद यहां सभी देवी - देवताओं की विशेष सेवा - अर्जी विनती होती है, जिसमें फल - फूल के साथ जीव सेवा भी दिया जाता है। सेवा- अर्जी विनती के बाद पहाड़ी में ही रात्रि विश्राम कर सुबह सूर्य उदय से पहले मांझीनगढ़ से अपने अपने गांव की ओर प्रस्थान होते है । ऐसा परंपरा पूरी दुनिया में केवल बस्तर में ही देखने को मिलता है बस्तर की परंपरा और बस्तर की संस्कृति आज पूरे देश दुनिया के लोग देखने आते हैं। बस्तर की हर पंडुम (त्यौहार) बस्तर के मूल निवासी लोग अपने पुरखों देवी देवताओं के साथ मिलजुल कर मानते हैं, कुछ भी काम करने से पहले गांव के प्रसिद्ध मुख्य देवी को पूछते हैं उसके बाद ही गांव में कुछ भी कार्य को करते हैं। जिस प्रकार परिवार में किसी कार्य को करने के के लिए परिवार का मुखिया को पूछ करके काम किया जाता है ।

न्यायालय तहसीलदार, तहसील नांदघाट, जिला-बेमेतरा (छ.ग.)

उद्घोषणा

एतद् द्वारा सर्वसाधारण व आम जनता निवासी ग्राम परसदा प.ह.नं. 11 तहसील नांदघाट, जिला-बेमेतरा (छ.ग.) को सूचना प्रकाशित किया जाता है। आवेदक श्री सूरज पिता किसुन जाति सतनामी साकिन परसदा प.ह.नं. 11 ने आवेदन पत्र वास्ते मृत्यु पंजीयन करने बाबत् आवेदन पेश किया गया है कि अपने दादी स्व. कोदो बाई पति मंगलदास का मृत्यु दिनांक 04/06/2024 में ग्राम परसदा में हुआ है। जिसका मृत्यु पंजीयन मूलवशः आज तक दर्ज नहीं करा पाये है जिसका मृत्यु पंजीयन का प्रमाण पत्र प्रदान करने बाबत् निवेदन किया गया है।

अतएवं उक्त के मृत्यु पंजीयन में जिस किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो, तो दिनांक 27/08/2025 तक अपना आपत्ति एवं दावा कर सकते है। तत्पश्चात् बाद में प्राप्त आपत्ति एवं दावों पर कोई सुनवाई नहीं किया जावेगा।

अत: दिनांक 28/07/2025 को मेरे स्वत: के हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया।

कार्यपालिक दण्डाधिकारी
तहसील नांदघाट
जिला-बेमेतरा

मुहर

न्यायालय नायब तहसीलदार मारो, तहसील नांदघाट जिला-बेमेतरा

ईश्तहार

रा.प्र.क 202508233000010 अ-06 वर्ष 2024-25
आवेदक - छबिलाल, सोहन पिता जवाहरसिंह
निवासी-चाकापेन्ड्रा तह. नांदघाट
जिला-बेमेतरा (छ.ग.)
बनाम
छ.ग. शासन

एतद् द्वारा आम जनता चाकापेन्ड्रा प.ह.नं. 01 को सूचित किया जाता है कि आवेदक छविलाल, सोहन सिंह वर्मा दोनों पिता जवाहरसिंह जाति लोधी निवासी ग्राम चाकापेन्ड्रा तहसील नांदघाट जिला बेमेतरा द्वारा आवेदन पेश किया है कि आवेदक के पिता के नाम पर ग्राम चाकापेन्ड्रा स्थित कृषि भूमि ख.न. 93, 94, 107, 109, 113, 238/1 रकबा क्रमशः 0.76, 1.00, 0.84, 0.57, 0. 07, 0.11 हे0 राजस्व अभिलेख में दर्ज चला आ रहा है। उक्त भूमि आवेदक के पिता द्वारा वसीयतनामा / इच्छा पत्र दिनांक 05.05.2018 निष्पादित किया है। आवेदक के पिता की मृत्यु दिनांक 07.05.2021 को हो गई है। वसीयतनामा के आधार पर उक्त भूमि को अपने नाम पर किये जाने आवेदन पत्र पेश किया है।

इस संबंध में जिस किसी को भी कोई दावा आपत्ति प्रस्तुत करना हो तो वह अपना दावा आपत्ति स्वयं अथवा अपने अभिकर्ता के माध्यम से दिनांक 05/09/25 समय 11.00 बजे तक प्रस्तुत कर सकते हैं।

उपरोक्त निर्धारित तिथि पश्चात् प्राप्त दावा आपत्ति मान्य नहीं होगी।

आज दिनांक 15/8/25 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पदमुद्रा से जारी किया गया।

नायब तहसीलदार
उप तहसील मारो, जिला-बेमेतरा

मुहर

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) सिमगा, जिला बलौदाबाजार-भाटापारा (छ.ग.)

- ईश्तहार-

रा.प्र. क्र.... अ/2, वर्ष, 2024-25
वाद भूमि ग्राम सिमगा प.ह.नं. 15

एतद् द्वारा सर्वसाधारण जनता ग्राम सिमगा प.ह.नं. 15 तहसील सिमगा जिला बलौदाबाजार-भाटापारा, को सूचित किया जाता है कि आवेदिका श्रीमती सुनीता कसेर पति आनंद कसेर जाति कसेर निवासी ग्राम सिमगा प.ह.नं. 15 तहसील सिमगा, जिला बलौदाबाजार-भाटापारा (छ.ग.) द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि ग्राम सिमगा प.ह.नं. 15 तहसील सिमगा स्थित भूमि खसरा नं. 1584/23 रकबा 0.0200 हे. आवेदिका के नाम पर राजस्व अभिलेख में दर्ज है। आवेदिका उक्त भूमि को व्यवसायिक प्रयोजन हेतु पुर्ननिर्धारण किये जाने आवेदन मय शपथ पत्र, बी-1, खसरा, नक्शा, की प्रति एवं बैनामा की छायाप्रति, तलवाना संलग्न कर प्रस्तुत किया है।

अत: उक्त आवेदित भूमि को व्यवसायिक प्रयोजन हेतु पुर्न निर्धारण किये जाने में जिस किसी भी व्यक्ति या संस्था को कोई दावा-आपत्ति प्रस्तुत करना हो तो वह स्वंय भा अपने अधिवक्ता के माध्यम से प्रकरण नियत सुनवाई पेशी दिनांक 23/08/2025 तक अपना दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। नियत तिथि के उपरांत प्राप्त आपत्ति-दावा पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

अतएव आज दिनांक 14/08/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की गदनुद्रा सहित जारी किया गया।

अनुविभागीय अधिकारी (रा.)
सिमगा

मुहर

न्यायालय नायब तहसीलदार बेमेतरा, तहसील व जिला-बेमेतरा (छ.ग.)

- ईश्तहार-

रा.प्र.क्र ब-121 वर्ष 2024-25

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि, आवेदक किशन राम साहू पिता चैतराम साहू निवासी ग्राम पंडरभट्ठा तहसील व जिला बेमेतरा द्वारा इस न्यायालय में अपने नाती स्व. दमन अखिलेश साहू पिता अखिलेश किशनराम साहू के मृत्यु पंजीयन हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है जिसका मृत्यु दिनांक 13/07/2021 को निवास साकिन में होना व भूलवश ग्राम/नगर पंचायत में मृत्यु का पंजीयन नहीं करा पाना बताया गया है।

उक्त संबंध में जिस किसी को दावा/आपत्ति हो तो वे नियत पेशी तारीख 22/08/2025 तक इस न्यायालय में स्वयं या अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित हो कर अपनी दावा / आपत्ति दर्ज करा सकते हैं। उक्त तिथि के पश्चात् प्राप्त आवेदन पर विचार नहीं किया जायेगा।

आज दिनाँक 07/08/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन मुहर सहित ईश्तहार जारी।

नायब तहसीलदार
बेमेतरा

मुहर

न्यायालय नायब तहसीलदार बेमेतरा, तहसील व जिला-बेमेतरा (छ.ग.)

- ईश्तहार-

क्र//प्र.1/तह. / 2025
रा.प्र.क्र ब-121 वर्ष 2024-25

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि, आवेदक खेमीन बाई पिता स्व. तिहारी निवासी ग्राम चरगंवा तहसील व जिला बेमेतरा द्वारा इस न्यायालय में अपने पिता तिहारी पिता शिवबगस के मृत्यु पंजीयन हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है जिसका मृत्यु दिनांक 18/12/2018 को निवास साकिन में होना व भूलवश ग्राम/नगर पंचायत में मृत्यु का पंजीयन नहीं करा पाना बताया गया है।

उक्त संबंध में जिस किसी को दावा/आपत्ति हो तो वे नियत पेशी तारीख 05/09/2025 तक इस न्यायालय में स्वयं या अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित हो कर अपनी दावा / आपत्ति दर्ज करा सकते हैं। उक्त तिथि के पश्चात् प्राप्त आवेदन पर विचार नहीं किया जायेगा।

आज दिनाँक 19/08/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन मुहर सहित ईश्तहार जारी।

नायब तहसीलदार
बेमेतरा

मुहर

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) नवागढ़ जिला-बेमेतरा (छ.ग.)

- ईश्तहार-

202508230500041
रा.प्र.क. / अ-2 वर्ष 2024-25

आवेदक अश्वनी कुमार साहू, पिता शत्रुहन साहू, साकिन ग्राम मैनपुरा, तहसील पंडरिया, जिला कबीरधाम (छ.ग.) ने ग्राम नवागढ़, प.ह.नं. 12, तहसील नवागढ़, जिला बेमेतरा स्थित अपने भूमिस्वामी हक की भूमि ख.नं. 910/19 रकबा 0.01 हेक्टेयर को आवासीय प्रयोजनार्थ व्यपवर्तन किये जाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है।

अत: उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति को आपत्ति पेश करना हो तो अपनी आपत्ति 25 0ब दिनांक 22/04/20 तक/पूर्व न्यायालय में पेश कर सकते है। उक्त तिथि के पश्चात् प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नही किया जायेगा।

आज दिनांक 14/08/202 को मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया।

अनुविभागीय अधिकारी (रा.)
नवागढ़, जिला-बेमेतरा

मुहर

महिला विश्व कप 2025:

बीसीसीआई ने वर्ल्ड कप के लिए भारतीय महिला टीम का किया ऐलान

इन 15 खिलाड़ियों की चमकी किस्म

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने आईसीसी महिला वर्ल्ड कप 2025 के लिए टीम इंडिया का ऐलान कर दिया है। भारत और श्रीलंका में 30 सितंबर से शुरू होकर यह टूर्नामेंट 8 टीमों के बीच खेला जाएगा। नीतू डेविड की अगुवाई वाली महिला चयन समिति ने 15 खिलाड़ियों की टीम चुनी है। टीम की घोषणा के बाद नीतू डेविड ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर पूरी स्क्वॉड का ऐलान किया। इस बड़े टूर्नामेंट में भारतीय महिला टीम की कप्तानी हरमनप्रीत कौर करेंगी।

वर्ल्ड कप 2025 के लिए भारतीय महिला क्रिकेट टीम का स्क्वॉड

कप्तान हरमनप्रीत कौर के साथ टीम में शामिल हैं – स्मृति मंधाना, प्रतिका रावल, हरलीन देओल, दीप्ति शर्मा, जेमिमा रॉड्रिग्स, रेणुका सिंह, अरुंधति रेड्डी, ऋचा घोष, क्रांति गौड़, अमनजोत कौर, राधा यादव, स्नी चरणी, यास्तिका भाटिया और स्नेह राणा।

टीम इंडिया का वर्ल्ड कप 2025 शेड्यूल घोषित-

आईसीसी महिला वर्ल्ड कप 2025 में भारत अपना पहला मुकाबला 30 सितंबर को श्रीलंका के खिलाफ खेलेगा। इसके बाद 5 अक्टूबर को टीम का सामना पाकिस्तान से होगा। 9 अक्टूबर को भारत का मैच साउथ अफ्रीका से, 12 अक्टूबर को ऑस्ट्रेलिया से, 19 अक्टूबर को इंग्लैंड से, 23 अक्टूबर को न्यूजीलैंड से और 26 अक्टूबर को बांग्लादेश से होगा। यह टूर्नामेंट हाइब्रिड मॉडल पर आयोजित होगा। पाकिस्तान अपने सभी मैच कोलंबो के न्यूट्रल वेन्यू पर खेलेगा, जबकि भारत में मुकाबले बेंगलुरु, इंदौर, गुवाहाटी और विशाखापत्तनम में होंगे।

● **शेफाली वर्मा को टीम इंडिया में जगह नहीं मिली** – आईसीसी महिला वर्ल्ड कप 2025 के लिए स्मृति मंधाना को उपकप्तान बनाया गया है, जो लंबे समय से यह जिम्मेदारी निभा रही हैं। टीम में प्रतिका रावल, हरलीन देओल, दीप्ति शर्मा और जेमिमा रॉड्रिग्स जैसी स्टार खिलाड़ियों को भी शामिल किया गया है। हालांकि, शेफाली वर्मा को इस बार टीम से बाहर रखा गया है। हाल के दिनों में उनका प्रदर्शन खास नहीं रहा और इसी कारण उन्हें स्क्वॉड में जगह नहीं मिल पाई। फिलहाल वह भारतीय ए टीम के साथ ऑस्ट्रेलिया दौरे पर हैं।

वीजा विलंब से एथलीट परेशान

विश्व चैंपियनशिप से पहले भारतीय मुक्केबाजों का ब्रिटेन अभ्यास दौरा बाधित

नई दिल्ली, एजेंसी। विश्व चैंपियनशिप से पहले भारतीय मुक्केबाजों की अभ्यास के लिये ब्रिटेन यात्रा वीजा मिलने में विलंब के कारण बाधित हो गई है। भारतीय दल को रविवार को कई देशों के अभ्यास शिविर में भाग लेने शेफील्ड जाना था। चार से 14 सितंबर तक लिवरपूल में होने वाली विश्व चैंपियनशिप की तैयारी के लिये यह शिविर अहम माना जा रहा है। सिर्फ चार महिला मुक्केबाजों और कोचिंग स्टाफ के कुछ सदस्यों को ही वीजा मिल सका और वे ब्रिटेन पहुंचे हैं। दस सदस्यीय भारतीय पुरूष टीम और छह महिला मुक्केबाज अभी भी एनआईएस पटियाला में हैं और वीजा मिलने का इंतजार कर रहे हैं। इस समय पुरूष मुक्केबाजों के पास सिर्फ एक कोच है क्योंकि मुख्य कोच धर्मेंद्र यादव समेत तीन अन्य कोच शेफील्ड में हैं।

यादव ने कहा, हम तीन यहां पहुंच गए हैं लेकिन बाकी पुरूष मुक्केबाज वीजा का इंतजार कर रहे हैं। हमें बुधवार से अभ्यास शुरू करना था लेकिन इसे रद्द करना पड़ा क्योंकि हमें नहीं पता कि वीजा कब मिलेगा और मुक्केबाज यहां कब पहुंचेंगे। भारतीय मुक्केबाजी महासंघ के कामकाज का संचालन कर रही अंतरिम समिति ने कहा कि वह ब्रिटेन में भारतीय दूतावास, खेल मंत्रालय और भारतीय खेल प्राधिकरण के लगातार संपर्क में है। समिति के सदस्य अर्जुन मलिक ने कहा, लेकिन प्रक्रिया स्वचालित है जिससे किसी भी दखल से विलंब का समाधान नहीं निकल सकता। हमारी तरफ से पूरी तैयारी है लेकिन तस्वीर साफ होने पर ही बाकी सदस्य बिना विलंब के ब्रिटेन पहुंच सकेंगे। अभी तक 31 सदस्यीय दल में से 12 सदस्य इंग्लैंड पहुंच पाए हैं। दो बार की विश्व चैम्पियन निकहत जरीन, मीनाक्षी, पूजा रानी और नुपूर शेरोन ही शेफील्ड पहुंच सके हैं। ओलंपिक पदक विजेता लवलीना बोरगोहेन, राष्ट्रमंडल खेल पदक विजेता जैसमीन लंबोरिया, एशियाई खेलों के पदक विजेता नरेंदर समेत बाकी अभी पटियाला में ही हैं। शिविर में आयरलैंड, फ्रांस, जर्मनी, उजबेकिस्तान, अमेरिका और पोलैंड समेत कई देशों के मुक्केबाज भाग ले रहे हैं।

आईसीसी वनडे रैंकिंग:

केशव महाराज बने नंबर वन गेंदबाज

नई दिल्ली, एजेंसी। दक्षिण अफ्रीका के बाएं हाथ के स्पिनर केशव महाराज बुधवार को आईसीसी द्वारा जारी वनडे गेंदबाजों की रैंकिंग में पहले स्थान पर पहुंच गए हैं। महाराज ने मंगलवार को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 5 विकेट लेकर सीरीज के पहले वनडे में दक्षिण अफ्रीका की जीत में अहम भूमिका निभाई थी। केशव महाराज दो स्थान की छलांग लगाते हुए 687 अंक के साथ पहले स्थान पर पहुंच गए हैं। श्रीलंका के महेश तीक्षणा और भारत के कुलदीप यादव को एक-एक स्थान का नुकसान हुआ है। तीक्षणा दूसरे जबकि कुलदीप तीसरे स्थान पर चले गए हैं। नामीबिया के बर्नार्ड स्कोल्ट्ज चौथे, अफगानिस्तान के राशिद खान पांचवें, न्यूजीलैंड के मिचेल सेंटनर छठे, न्यूजीलैंड के मैट हेनरी सातवें, श्रीलंका के वानिंदु हसरंगा आठवें, भारत के रवींद्र जडेजा नौवें और ऑस्ट्रेलिया के एडम जंपा दसवें स्थान पर हैं। शीर्ष 10 गेंदबाजों में 9 गेंदबाज स्पिनर हैं। न्यूजीलैंड के मैट हेनरी एकमात्र तेज गेंदबाज हैं, जिनका नाम वनडे के शीर्ष दस गेंदबाजों की सूची में शामिल है। केशव महाराज ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मंगलवार को हुए वनडे मैच में 10 ओवर में 33 रन देकर 5 विकेट लिए। उनके दमदार प्रदर्शन के दम पर दक्षिण अफ्रीका ने ऑस्ट्रेलिया को 98 रन से हरा दिया। ऑस्ट्रेलिया को जीत के लिए 297 रन की जरूरत थी। केशव महाराज ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ हुए मैच में एक बड़ा रिकॉर्ड अपने नाम किया। महाराज दक्षिण अफ्रीका की तरफ से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 300 विकेट लेने वाले पहले स्पिनर बन गए हैं। महाराज ने 59 टेस्ट में 203, 49 वनडे में 63 और 39 टी20 में 38 विकेट लिए हैं। उनके कुल अंतरराष्ट्रीय विकेटों की संख्या 304 है। शॉन पोलॉक 823 विकेटों के साथ अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में दक्षिण अफ्रीका के सबसे सफल गेंदबाज हैं। पोलॉक ने 421 टेस्ट, 387 वनडे और 15 टी20 विकेट लिए हैं।

Sinquefield Cup Chess:

सिंकफील्ड कप में गुकेश की जीत,

अब्दुसत्तोरोव को हराकर की जबरदस्त वापसी

सेंट लुई (अमेरिका), एजेंसी। पहले दौर में अपने साथी भारतीय खिलाड़ी गुकेश को हराने वाले आर प्रज्ञानंद ने दूसरे दौर में अमेरिका के फैबियानो कारूआना के साथ अंक बांटे। विश्व चैंपियन डी गुकेश ने शुरुआती दौर की असफलता को पीछे छोड़ते हुए यहां सिंकफील्ड कप शतरंज टूर्नामेंट के दूसरे दौर में उज्बेकिस्तान के पूर्व विश्व रैपिड चैंपियन नोडिरबेक अब्दुसत्तोरोव पर शानदार जीत दर्ज की। पहले दौर में अपने साथी भारतीय खिलाड़ी गुकेश को हराने वाले आर प्रज्ञानंद ने दूसरे दौर में अमेरिका के फैबियानो कारूआना के साथ अंक बांटे। एक अन्य मैच में फ्रांस के अलीरेजा फिरोजा ने पोलैंड के डूडा जान-क्रिज़्सटॉफ़ को हराया। अमेरिका के लेवोन अरोनियन ने हमवतन सैमुअल सेवियन के साथ ड्रॉ खेला और संयुक्त बढ़त बनाए रखी। एक अन्य अमेरिकी वेस्ली सो ने 10 खिलाड़ियों के 3,75,000 डॉलर इनामी टूर्नामेंट में फ्रांस के मैक्सिम वाचियर-लाग्रेव के साथ ड्रॉ खेला।

अब जबकि सात दौर का खेल होना बाकी है तब प्रज्ञानंद, अरोनियन और फिरोजा 1.5 अंकों के साथ संयुक्त बढ़त पर हैं। गुकेश, कारूआना, वेस्ली सो, सेवियन और वाचियर-लाग्रेव संयुक्त चौथे स्थान पर हैं। डूडा आधे अंक के साथ नौवें स्थान पर हैं, जबकि अब्दुसत्तोरोव लगातार दूसरी बाजी हारने के बाद अभी तक अपना खाता नहीं खोल पाए हैं।

एशिया कप के लिए श्रेयस अय्यर की जगह बनाई जा सकती थी: आकाश चोपड़ा

नई दिल्ली, एजेंसी। एशिया कप 2025 के लिए बीसीसीआई ने 19 अगस्त को टीम की घोषणा कर दी। 15 सदस्यीय टीम में श्रेयस अय्यर को जगह नहीं मिली है। पूर्व सलामी बल्लेबाज आकाश चोपड़ा का मानना है कि श्रेयस अय्यर को रिजर्व खिलाड़ी के रूप में एशिया कप के लिए टीम के साथ रखा जा सकता है।

आकाश चोपड़ा ने कहा है कि श्रेयस अय्यर को टीम से बाहर रखने की वजह से उनके टी20 करियर को लेकर बोर्ड की तरफ से कोई स्पष्ट संकेत नहीं मिल रहा है। पूर्व भारतीय खिलाड़ी ने बुधवार को अपने यूट्यूब चैनल पर कहा, श्रेयस अय्यर ने शॉर्ट गेंद के खिलाफ अपनी कमजोरी में सुधार किया है। स्पिन को बेहतर खेलते हैं। आईपीएल में 175 की स्ट्राइक रेट से 604 रन बनाए और अपनी कप्तानी में पंजाब किंग्स को फाइनल में लेकर गए। इसके बावजूद उन्हें एशिया कप की मुख्य और रिजर्व खिलाड़ियों की सूची में जगह न मिलना हैरान करता है। आकाश चोपड़ा ने कहा कि यशस्वी जायसवाल, ध्रुव जुरेल और प्रसिद्ध कृष्णा का नाम रिजर्व खिलाड़ियों में है, लेकिन यहां भी श्रेयस का नाम नहीं है। रिजर्व सूची में उनका नाम होना चाहिए था।

उन्होंने कहा कि श्रेयस अय्यर को टीम में आने के लिए और क्या करना होगा। श्रेयस जो कर चुके हैं, उससे ज्यादा क्या कर सकते हैं? आईपीएल में अपनी कप्तानी में पंजाब को फाइनल में ले गए, 600 से अधिक रन बनाए, सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में रन बनाए और टीम को चैंपियन बनाया, रणजी खेला और चैंपियंस ट्रॉफी जीती। एक इंसान के तौर पर आप बस इतना ही कर सकते हैं। आकाश ने कहा कि यह एशिया कप है। इसे विश्व कप से नहीं जोड़ा जाना चाहिए। मेरा मानना है कि अगर श्रेयस वनडे मैचों में अच्छा प्रदर्शन करते रहे तो टी20 विश्व कप 2026 की टीम में जगह बना सकते हैं। मुझे यकीन है कि वह टी20 विश्व कप का हिस्सा होंगे।

श्रेयस अय्यर भारत की तरफ से 51 टी20 मैचों की 47 पारियों में 136.13 की स्ट्राइक रेट से 1,104 रन बना चुके हैं। इस दौरान 8 अर्धशतक उन्होंने लगाए हैं। सर्वाधिक स्कोर 74 है।

सालाह इंग्लिश फुटबॉल के साल के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुने गए, महिलाओं में कैल्डेन्टी को अवॉर्ड

लंदन, एजेंसी। इस पुरस्कार के लिए इंग्लैंड में खेलने वाले साथी पेशेवर खिलाड़ी मतदान करते हैं। सालाह ने रिकॉर्ड तीसरी बार यह पुरस्कार जीता है। लिवरपूल के फॉरवर्ड मोहम्मद सालाह को मंगलवार को प्रोफेशनल फुटबॉलर्स एसोसिएशन पुरस्कारों में पिछले सत्र के लिए इंग्लिश फुटबॉल में साल का सर्वश्रेष्ठ पुरुष चुना गया। वहीं, महिलाओं में आर्सेनल की मिडफील्डर मैरियोना कैल्डेन्टी ने यह अवॉर्ड जीता। इस पुरस्कार के लिए इंग्लैंड में खेलने वाले साथी पेशेवर खिलाड़ी मतदान करते हैं। सालाह ने रिकॉर्ड तीसरी बार यह पुरस्कार जीता है। मिस्र के इस 33 वर्षीय अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी ने प्रीमियर लीग में 29 गोल किए, जिसकी बदौलत लिवरपूल ने रिकॉर्ड 20वीं बार चैंपियनशिप जीती। सालाह ने इस वर्ष के शुरू में तीसरी बार फुटबॉल राइटर्स एसोसिएशन का फुटबॉलर ऑफ द ईयर पुरस्कार भी जीता था। महिला वर्ग में 29 वर्षीय कैल्डेन्टी ने आर्सेनल के साथ अपने पहले सत्र में शानदार प्रदर्शन किया और सभी प्रतियोगिताओं में 19 गोल किए। एस्टन विला के मिडफील्डर मॉर्गन रोजर्स को वर्ष का सर्वश्रेष्ठ पुरुष युवा खिलाड़ी चुना गया, जबकि सबसे अधिक कीमत पर आर्सेनल से जुड़ने वाली कनाडा की स्ट्राइकर ओलिविया स्मिथ ने महिला वर्ग में यह पुरस्कार हासिल किया।

एमबाप्पे ने रियाल मैड्रिड को जीत दिलाई – फुटबॉल की अन्य खबरों में किलियन एमबाप्पे ने रियाल मैड्रिड के साथ अपने दूसरे सत्र की शानदार शुरुआत करते हुए पेनल्टी को गोल में बदला, जिससे उनकी टीम ने मंगलवार को स्पेनिश फुटबॉल लीग ला लिगा के अपने पहले मैच में ओसासुना पर 1-0 से जीत दर्ज की। पिछले सत्र में रियाल मैड्रिड से जुड़ने वाले एमबाप्पे ने 51वें मिनट में पेनल्टी किक को गोल में बदलकर मेजबान टीम को जीत दिलाई। एमबाप्पे ने इस तरह से रियाल मैड्रिड के साथ अपना अच्छा प्रदर्शन जारी रखा। उन्होंने पिछले सत्र में क्लब की तरफ से सर्वाधिक गोल किए थे। रियाल मैड्रिड ने इस तरह से अपने चिर प्रतिद्वंदी बार्सिलोना की तरह नए सत्र की जीत से शुरुआत की। बार्सिलोना ने शनिवार को मालोर्का पर 3-0 की आसान जीत दर्ज की थी। पिछले सत्र में रियाल मैड्रिड स्पेनिश लीग में बार्सिलोना के बाद दूसरे स्थान पर रहा था।

एमबाप्पे ने पेनल्टी को गोल में बदला, रियाल मैड्रिड को दिलाई जीत

मैड्रिड, एजेंसी। काइलियन एमबाप्पे ने रियाल मैड्रिड के साथ अपने दूसरे सत्र की शानदार शुरुआत करते हुए पेनल्टी को गोल में बदला, जिससे उनकी टीम ने मंगलवार को स्पेनिश फुटबॉल लीग ला लिगा के अपने पहले मैच में ओसासुना पर 1-0 से जीत दर्ज की। पिछले सत्र में रियाल मैड्रिड से जुड़ने वाले एमबाप्पे ने 51वें मिनट में पेनल्टी किक को गोल में बदलकर मेज़बान टीम को जीत दिलाई। एमबाप्पे ने इस तरह से रियाल मैड्रिड के साथ अपना अच्छा प्रदर्शन जारी रखा। उन्होंने पिछले सत्र में क्लब की तरफ से सर्वाधिक गोल किए थे। रियाल मैड्रिड ने इस तरह से अपने चिर प्रतिद्वंदी बार्सिलोना की तरह नए सत्र की जीत से शुरुआत की। बार्सिलोना ने शनिवार को मालोर्का पर 3-0 की आसान जीत दर्ज की थी। पिछले सत्र में रियाल मैड्रिड स्पेनिश लीग में बार्सिलोना के बाद दूसरे स्थान पर रहा था। ओसासुना नौवें स्थान पर रहा था।

एशिया कप हॉकी

एशिया कप के लिए भारतीय हॉकी टीम का ऐलान

लाकड़ा और दिलप्रीत को जगह

नई दिल्ली, एजेंसी। बिहार के राजगीर में होने वाले एशिया कप के लिए 18 सदस्यीय भारतीय टीम का ऐलान बुधवार को किया गया जिसमें फॉरवर्ड शिलानंद लाकड़ा और दिलप्रीत सिंह ने अपनी जगह बरकरार रखी है। टूर्नामेंट 29 अगस्त से सात सितंबर तक खेला जायेगा जिसके विजेता को अगले साल एफआईएच पुरूष विश्व कप में सीधे प्रवेश मिलेगा जो 14 से 30 अगस्त तक नीदरलैंड और बेल्जियम में होना है। ड्रैग फ्लिकर हरमनप्रीत सिंह टीम के कप्तान हैं। राजिंदर सिंह, लाकड़ा और दिलप्रीत आस्ट्रेलिया दौरे पर भारतीय टीम का हिस्सा थे। राजिंदर को शमशेर सिंह की जगह चुना गया, जबकि लाकड़ा ने हाल ही में अंतरराष्ट्रीय हॉकी को अलविदा कहने वाले ललित उपाध्याय की जगह ली है। दिलप्रीत को गुरजंत सिंह पर तरजीह मिली है।

स्ट्राइकर ललित उपाध्याय ने जून में एफआईएच प्रो लीग के यूरोप चरण के बाद अंतरराष्ट्रीय हॉकी से संन्यास ले लिया था। भारत को एशिया कप में जापान, चीन और कजाखस्तान के साथ पूल ए मिला है। भारतीय टीम 29 अगस्त को चीन के खिलाफ पहला मैच खेलेगी। इसके बाद 31 अगस्त को जापान और एक सितंबर को कजाखस्तान से खेलना है। गोलकीपिंग का दारोमदार कृशन बी पाठक और सूरज करकेरा पर होगा। डिफेंस में हरमनप्रीत और अमित रोहिदास के साथ जरमनप्रीत सिंह, सुमित, संजय और जुगराज सिंह हैं। मिडफील्ड में मनप्रीत सिंह, विवेक सागर प्रसाद, राजिंदर, राज कुमार पाल और हार्दिक सिंह होंगे। फॉरवर्ड पंक्ति में मनदीप सिंह, अभिषेक, सुखजीत सिंह, लाकड़ा और दिलप्रीत जिम्मा संभालेंगे। नीलम संजीप सेस और सेल्वम कार्ति को रिजर्व में रखा गया है। टीम चयन के बारे में मुख्य कोच क्रेग फुल्टोन ने कहा, हमने अनुभवी टीम चुनी है। विश्व कप क्वालीफिकेशन को देखते हुए एशिया कप हमारे लिए महत्वपूर्ण है लिहाजा हमें दबाव में अच्छा खेलने वाले खिलाड़ी चाहिए।

भारतीय टीम इस प्रकार है

गोलकीपर- सूरज करकेरा, कृशन बी पाठक
डिफेंडर- हरमनप्रीत सिंह, अमित रोहिदास , जरमनप्रीत सिंह, सुमित, संजय और जुगराज सिंह
मिडफील्ड- मनप्रीत सिंह, विवेक सागर प्रसाद, राजिंदर, राज कुमार पाल और हार्दिक सिंह
फॉरवर्ड- मनदीप सिंह, अभिषेक, सुखजीत सिंह, शिलानंद लाकड़ा और दिलप्रीत सिंह
रिजर्व खिलाड़ी- नीलम संजीप सेस और सेल्वम कार्ति।

छ.ग. राज्य विद्युत वितरण कंपनी की समीक्षा बैठक: ग्रामीणों की समस्याओं के त्वरित समाधान के निर्देश

1912 टोल फ्री नंबर और ÷मोर बिजली ऐप÷ से शिकायत दर्ज करें

बेमेतरा/मूक पत्रिका

जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती कल्पना योगेश तिवारी ने बीते गुरुवार को जिला पंचायत सभाकक्ष में छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत वितरण कंपनी मर्यादित विभाग की समीक्षा बैठक ली। बैठक में ग्रामीण क्षेत्रों में बिजली आपूर्ति, कम वोल्टेज, ट्रांसफार्मर की कमी एवं खराबी, किसानों को अटल ज्योति योजना से पर्याप्त बिजली न मिलना जैसी समस्याओं पर विस्तार से चर्चा की गई।

श्रीमती तिवारी ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि किसानों की सिंचाई में आ रही बाधाओं का तत्काल समाधान किया जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि शिकायतों का निस्तारण समयबद्ध तरीके से होना चाहिए। ग्राम झिरिया में ट्रांसफार्मर खराब होने से धान की फसल सूखने की स्थिति पर तत्काल संज्ञान लेते हुए कार्यपालन अभियंता को एक सप्ताह के भीतर नया ट्रांसफार्मर लगाने के निर्देश दिए गए। इसी प्रकार ग्राम भिलौरी, खुड़मुड़ी एवं बेरलाकला में बिजली की समस्या पर भी त्वरित कार्यवाही करने कहा गया। बैठक में अधिकारियों ने जानकारी दी कि ग्राम मोहरेंगा, जेवरा, एरमशाही, कटई, जांता, गुनरबोड़, बिटकुली, दाढ़ी सहित अन्य ग्रामों में नए सब-स्टेशन की स्वीकृति मिल चुकी है, जिसे शासन से आवंटन प्राप्त होते ही शुरू किया जाएगा। साथ ही किसानों को आधार कार्ड व जमीन दस्तावेज प्रस्तुत करने पर विद्युत पोल उपलब्ध कराए जाएंगे।

पानी-बचाओ, बिजली-बचाओ अभियान की अपील-जिला पंचायत अध्यक्ष ने कहा कि वर्तमान परिस्थितियों में ग्रामीण एवं किसान समुदाय को पानी और बिजली की बचत के लिए विशेष ध्यान देना चाहिए। उन्होंने अधिकारियों और कर्मचारियों को भी इस दिशा में अभियान चलाने की अपील की।

1912 टोल फ्री नंबर और ÷मोर बिजली ऐप÷ से शिकायत दर्ज करें-श्रीमती तिवारी ने बताया कि ग्रामीणजन अपनी बिजली संबंधी समस्याएं–जैसे ट्रांसफार्मर खराब होना, बार-बार बिजली गुल होना, कम वोल्टेज या बिल संबंधी दिक्कतें–सीधे 1912 टोल फ्री नंबर अथवा ÷मोर बिजली ऐप÷ के माध्यम से दर्ज करा सकते हैं। बैठक में संजय तिवारी (पूर्व जिला उपाध्यक्ष, दुर्ग ग्रामीण), ताराचंद वर्मा (अध्यक्ष, सरपंच संघ बेमेतरा), जितेन्द्र साहू, ऋषी बन साहू, प्रियांशु सहित अन्य अधिकारी एवं ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

रजत जयंती माह में विद्यालयों व आंगनबाड़ी केन्द्रों में जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन

बीजापुर/मूक पत्रिका

कलेक्टर संबित मिश्रा के निर्देशन में महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा रजत जयंती माह के अवसर पर जिलेभर में विभिन्न जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। डी.ए.व्ही. मुख्यमंत्री पब्लिक स्कूल, मांझीगुड़ा में बच्चों के सामाजिक, मानसिक एवं नैतिक विकास के लिए खेलकूद एवं संवाद गतिविधियाँ हुई। बालिका सुरक्षा माह के अंतर्गत बच्चों को गुड टच और बैड टच की जानकारी दी गई। इसके साथ ही बाल विवाह उन्मूलन, नशा मुक्ति, लैंगिक समानता, स्वास्थ्य एवं बाल अधिकारों पर जागरूकता अभियान चलाया गया। खेल गतिविधियों में भाग लेने वाले बच्चों को पुरस्कृत भी किया गया। इसी तरह, आंगनबाड़ी केन्द्रों पर महतारी वंदन योजना से जुड़े हितग्राहियों, गर्भवती महिलाओं और किशोरी बालिकाओं को कुपोषण मुक्ति, पोषण शिक्षा और

स्वास्थ्य संबंधी जानकारी दी गई। ईसीसी व पोषण भी पढ़ाई भी थीम पर गतिविधियों का आयोजन कर शपथ भी दिलाई गई कि वे कुपोषण के खिलाफ सक्रिय भूमिका निभाएंगे।इस अभियान में शिक्षा, स्वास्थ्य और पुलिस विभाग का भी सहयोग रहा। जागरूकता प्रसार में शीला भारद्वाज, सुनीता तामड़ी, आनंदमई मलिक, नवीन मिश्रा, नगीना लेखम, संदीप चिड़ेम सहित अन्य कर्मचारी शामिल रहे।

लोक कला मँच नवा किरण बेमेतरा का किया नवगठन

बेमेतरा/मूक पत्रिका

छत्तीसगढ़ की प्रसिद्ध साँस्कृतिक सँस्था लोक कला मँच नवा किरन बेमेतरा का नवगठन किया गया, तत्पश्चात तीन दिवसीय रिहल्सल प्रोग्राम सँत रविदास भवन कालिका मँदिर वार्ड नँ. 18 जुना कैइहा तरिया के पास 18,19, व 20 अगस्त को आयोजित किया गया। नवा किरन सँस्था के सँयोजक निर्देशक डॉ. गोकुल चँदन ने बताया कि सँस्था के मुख्य गायक मारकन्डे चँद्राकर, लोक गायिका दिपान्जली वर्मा इँदिरा कला सँगीत विश्व विद्यालय खैरागढ़ अध्ययन रत (लोक गीत गायन), सह गायक गोपाल निर्मलकर, आर्गन वादक ओमप्रकाश निर्मलकर अध्ययन रत (लोक सँगीत) सँगीत वि. वि. खैरागढ़, तबला वादक पीताम्बर साहू, नाल वादक शुभम गुप्ता, आक्टो पैड वादक विक्की श्रीवास, बाँसुरी वादक भगवान सिंह राजपूत, रूँजु खँझरी दफ्ली वादक बिशाल सिंह ध्रुवे रहेंगे। लगभग पच्चीस सदस्यीय टीम नवा किरन के उद्घोषक राज्यपाल पुरस्कार प्राप्त शिक्षक सुनील झा,व रामकुमार टँडन शिक्षक, सँरक्षक दाऊ अजय शर्मा, रामानंद त्रिपाठी, व सलाहकार दुर्गा शंकर चतुर्वेदी, सँस्था के सक्रिय सदस्य व भावपक्ष कलाकार बाबुराम साहू, सनातन मानिकपुरी, नरोत्तम साहू ,उमाशंकर साहू, महेश्वर श्रीवास,। इस आयोजन व गठन में श्रीमती कान्तिप्रभा बँजारे,पवन वर्मा, हृदय नारायण यदु, जिलेन्द्र चतुर्वेदी,मनोज मिर्झा,मनोज पाटिल, यादव, राजिव मधुकर , नेमू राम बँजारे आदि उपस्थित रहे।

पीएम सूर्य घर योजना कॉपोरेंट के लिए सरकारी खजाना खोलना हैः कुरैशी

कांकेर/मूक पत्रिका

कांकेर पीएम सूर्य घर योजना को कॉपोरेंट घरानों के लिए सरकारी खजाना को खोलना बताया है। इस योजना के तहत दी जाने वाली अनुदान सीधे कॉपोरेंट के उन घरानों को लाभान्वित करना है जो सोलर पैनल के उत्पादक है। खास कर हमारे देश में अदानी का ही इस पर वर्चस्व है।

बीते गुरुवार जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में संयुक्त मजदूर संगठन के जिला संयोजक नजीब कुरैशी ने एक प्रेस बयान जारी कर बताया कि केंद्र सरकार की सभी योजनाए विफल ही साबित हुई है, योजना सिर्फ प्रचारों तक ही सीमित रह जाती है धरातल पर उसका कोई सफल क्रियान्वयन नहीं दिखता है। उन्होंने इस योजना की वास्तविकता पर सवाल दागते हुए कहा कि राज्य सरकार का यह प्रचार कि हाफ बिजली से मुफ्त बिजली एक ढकोसला भरी जुमला है। इसके पहले भी प्रदेश में रमन सिंह के शासनकाल में रतनजोत का वो प्रचारश्तेल नहीं लेंगे खाड़ी से-तेल बनायेंगे बाड़ी मेंर कितनी फिसड्डी निकला। तत्कालीन सरकार करोड़ों रुपए रतनजोत के पेड़ लगाने में खर्च किए थे लेकिन एक लीटर तेल भी नहीं निकला। वही हश्र इस सूर्य घर योजना का होने वाला है।

कुरैशी ने डबल इंजन सरकार पर तीखे हमला करते हुए कहा कि पहले की कांग्रेस सरकार ने बिजली उपभोक्ताओं को बिजली बिल हाफ किया था। लेकिन अब सिर्फ 100 यूनिट खपत करने वाले उपभोक्ताओं का ही बिजली हाफ होगा। स्वाभाविक रूप से एक गरीब परिवार भी दैनिक 3 यूनिट से अधिक ही बिजली खपत करती है। जिसका सीधा मतलब है बिजली बिल हाफ का लाभ से प्रदेश के अधिकांश उपभोक्ता वंचित हो जाएंगे। मुफ्त बिजली की चमकदार नारा का असलियत का उजागर । करते हुए कहा कि प्रदेश में औसतन दैनिक 8 सोलर पैनल लगाए जा रहे है। फिर क्या 500 वर्ष के बाद मुफ्त बिजली का नारा पूरा होगा?

उन्होंने कहा जिन गरीब परिवार को बिजली बिल के 300 रुपए भुगतान करना महंगा पड़ जाता है वे क्या सोलर पैनल खरीदने के लिए 75 हजार रुपए निवेश कर पाएगा। अदाणी के सोलर पैनल की बाजार तैयार करने के लिए सरकार पहले अनुदान दे कर कम्पनियों को उपकृत कर रही है उसके बाद मामूली ब्याज में बैंक से किश्त में कर्ज भी उपलब्ध करा रही है। सरकार प्रायोजित सोलर कम्पनियों का मुनाफा सुनिश्चित करना ही इस डबल इंजन सरकार का मुख्य उद्देश्य है।

नजीब कुरैशी ने कहा छतों में लगने वाले यह सोलर पैनल प्रदेश के गरीब आदिवासियों के झुग्गियों झोपड़ियों में क्या सोलर पैनल लगने वाला है? असल में उन गरीब आदिवासी परिवारों के टैक्स के पैसे जो सरकारी खजाने में है उसका लाभ शहरों और ग्रामीण क्षेत्र के संपन्न लोगों को ही मिलेगा और सोलर पैनल कम्पनियों को मिलने वाला है।उन्होंने कहा असल बिजली दरों में वृद्धि कर और हाफ बिजली बिल को खत्म कर यह प्रदेश सरकार ने गरीबों पर ही हमला किया है। और इस हमला को छिपाने के लिए हाफ बिजली से मुफ्त बिजली का जुमलेबाजी कर रहा है।

ग्राम पचभैया में अखंड रामधुनी प्रतियोगिता का शुभारंभ 26 अगस्त से

बेमेतरा/पचभैया/मूक पत्रिका

अखिल ब्रह्माण्ड नायक भगवान श्रीरामचन्द्र जी की असीम कृपा से ग्राम पचभैया में 24 घंटे श्री सीताराम की अखण्ड रामधुनी प्रतियोगिता का भव्य आयोजन 26 व 27 अगस्त को किया जा रहा है। इस आयोजन में सीताराम नाम संकीर्तन की विभिन्न शैलियों में भजन एवं झांकी की प्रस्तुति होगी। प्रतियोगिता को लेकर ग्रामवासियों में उत्साह का माहौल है। प्रतियोगिता में विजेता टीमों के लिए आकर्षक पुरस्कार रखे गए हैं– प्रथम पुरस्कार : ?10,001/-, द्वितीय पुरस्कार : ?8,001/-, तृतीय पुरस्कार : ?6,001/-, चतुर्थ पुरस्कार : ?5,001/-, पंचम पुरस्कार : ?4,000/- साथ ही, प्रत्येक टोली को सांत्वना पुरस्कार स्वरूप शील्ड प्रदान की जाएगी। ग्राम पचभैया के समस्त ग्रामवासियों के सहयोग से यह आयोजन धार्मिक एवं सांस्कृतिक वातावरण में संपन्न होगा।

टाटा सुमो चोरी मामले में बस्तर पुलिस की बड़ी कार्यवाही, आरोपी गिरफ्तार

जगदलपुर /मूक पत्रिका

बस्तर पुलिस ने टाटा सुमो वाहन चोरी करने वाले एक आरोपी को गिरफ्तार कर बड़ी कार्यवाही की है। आरोपी को खड़कघाट कोहकपारा इलाके से चोरी की गई टाटा सुमो वाहन (क्रमांक छ्त्र 17 ष्ठ 0477) एवं डुप्लीकेट चाबी के साथ पकड़ा गया। वाहन की अनुमानित कीमत करीब 5 लाख रुपये आंकी गई है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान नरेश कुमार ठाकुर पिता चरण सिंह ठाकुर उम्र 24 वर्ष निवासी ग्राम बुरुंग पाल, थाना परपा जिला बस्तर के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार बीते गुरुवार की रात थाना कोतवाली जगदलपुर में प्रार्थी तेजू पटेल ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि उनके घर के सामने खड़ी टाटा सुमो वाहन अज्ञात चोर चोरी कर ले गया है। मामले में अपराध दर्ज कर पुलिस अधीक्षक शलभ कुमार सिन्हा के मार्गदर्शन में अति. पुलिस अधीक्षक माहेश्वर नाग एवं नगर पुलिस अधीक्षक धोत्रे सुमित कुमार के पर्यवेक्षण में थाना प्रभारी कोतवाली भोला सिंह राजपूत के नेतृत्व में विशेष टीम गठित की गई। तलाशी के दौरान पुलिस ने खड़कघाट में आरोपी नरेश ठाकुर को चोरी की गई सुमो के साथ पकड़ लिया। पूछताछ में आरोपी ने स्वीकार किया कि उसने डुप्लीकेट चाबी का उपयोग कर वाहन चोरी की थी। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया है।

कार्रवाई में शामिल अधिकारी-कर्मचारी : निरीक्षक : भोला सिंह राजपूत- उपनिरीक्षक : अरुण मरकाम प्रधान आरक्षक : राजेश राजपूत आरक्षक : रवि सरदार, तीकरु राम कश्यप, उत्तम ध्रुव

आईटीआई सकरी में नव कौशल पथ-नई राह कार्यक्रम का आयोजन

बलौदाबाजार /मूक पत्रिका

प्रवेश सत्र 2025-26 एवं 2025-27 में नव प्रवेशित प्रशिक्षणार्थियों के लिए नव कौशल पथ-नई राह नया हुनर कार्यक्रम का आयोजन शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था बलौदाबाजार में 19 एवं 20 अगस्त को किया गया। प्रथम दिवस 19 अगस्त को नव प्रवेशित प्रशिक्षणार्थियों का परिचय सम्मेलन, परीक्षाओं से संबंधित (सीबीटी) जानकारी, अप्रेंटिसशीप एवं उत्तीर्ण होने के उपरांत डिप्लोमा कार्यक्रम में लेटरल एन्ट्री तया संस्थाओं में संचालित विभिन्न योजनाओं के संबंध में जानकारी दी गई। द्वितीय दिवस 20 अगस्त को प्रशिक्षण उपरांत संभावनाओं के संबंध में जिला रोजगार अधिकारी द्वारा पॉवर पाइट प्रेजेंटेशन, उद्योग प्रतिनिधयों द्वारा प्रशिक्षणार्थियों को व्यवाख्यान दिया गया। पूर्व प्रशिक्षणार्थियों द्वारा अपनी सफलता की कहानी साझा किया गया एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया। कार्यक्रम में संस्था के प्राचार्य अजय कुमार गडेवाल, जिला रोजगार अधिकारी सुश्री मनोरमा भगत, प्रभारी प्रशिक्षण अधीक्षक परमानंद गोंड़, कार्यक्रम संयोजक राजेश कुमार वर्मा सहित संस्था के समस्त प्रशिक्षण अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

भैयाथान में मीना बाजार पर विवादः

अनुमति को लेकर मचा बवाल, एसडीएम के नाम आवेदन

सूरजपुर/भैयाथानः/मूक पत्रिका

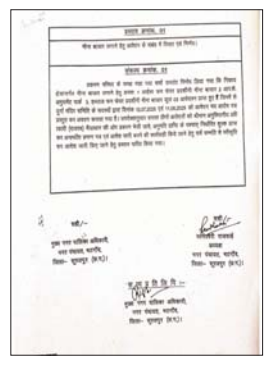

दुर्गा पूजा के अवसर पर हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी मीना बाजार लगाने की तैयारी जोर-शोर से चल रही है, लेकिन आयोजन को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। स्थानीय नागरिकों ने अनुविभागीय अधिकारी (एसडीएम) भैयाथान को ज्ञापन सौंपते हुए मांग की है कि हमराज नामक संस्था को इस वर्ष मीना बाजार आयोजित करने की अनुमति न दी जाए। ज्ञापन में स्पष्ट रूप से उल्लेख किया गया है कि उक्त संस्था के पिछले आयोजनों में अव्यवस्था, पारदर्शिता की कमी और विवादास्पद गतिविधियों के आरोप लगते रहे हैं। नागरिकों का कहना है कि इससे न केवल स्थानीय परंपरा की गरिमा पर आंच आई, बल्कि कई बार कानून-व्यवस्था पर भी सवाल उठे।

विवादित संस्था पर क्यों उठे सवाल?-स्थानीय लोगों ने बताया कि हमराज संस्था के पिछले आयोजनों में मनमानी, पारदर्शिता की कमी और लाभ के बंटवारे में गड़बड़ी जैसी शिकायतें बार-बार सामने आई। इतना ही नहीं, कई बार आयोजन स्थल पर भीड़ प्रबंधन और सुरक्षा इंतजाम नाकाफी रहे, जिससे विवाद गहराया।

क्या है नागरिकों की मांग?-लोगों ने एसडीएम को दिए आवेदन में कहा है कि इस वर्ष हमराज संस्था को अनुमति न देकर शेष दो योग्य और विश्वसनीय संस्थाओं में से किसी एक को मीना बाजार का आयोजन सौंपा जाए। उनका कहना है कि प्रशासन को चाहिए कि आयोजन की जिम्मेदारी ऐसे संगठन को दी जाए जो पारदर्शिता, सुरक्षा और परंपरा का पालन सुनिश्चित कर सके।

क्या प्रशासन करेगा सख्त फैसला?-अब सबकी नजर एसडीएम भैयाथान के निर्णय पर है। प्रशासन के सामने चुनौती यह है कि विवादित संस्था को फिर से मौका दिया जाए या परंपरा को बचाते हुए जनता की आवाज सुनी जाए। स्थानीय लोगों ने चेतावनी दी है कि यदि उनकी मांगों को अनसुना किया गया, तो वे कड़े विरोध और आंदोलन के लिए बाध्य होंगे।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक आशिष कुमार कंठले द्वारा स्वामी डीबी कार्प लिमिटेड के लिए प्लाट नम्बर 40/44 इंडस्ट्रियल एरिया बीरगांव रोड, उरला, रायपुर से मुद्रित एवं वार्ड नंबर 18 बाजार पारा बेमेतरा पोस्ट व जिला बेमेतरा छ.ग. पिन कोड 491335 से प्रकाशित । संपादक आशिष कुमार कंठले समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार मो. नं. 7999238079, 7828658259, समस्त विवादों का निपटारा बेमेतरा न्यायालय होगा।